चैत्र शुक्ल पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 260 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

राम नवमी

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

27 मार्च 2026 शुक्रवार

रामनवमी... रामलला का सूर्य तिलक, 9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें

अयोध्या सहित देशभर में राममय माहौल

अयोध्या, एजेंसी

रामनवमी पर आज देशभर में राममय माहौल है। अयोध्या में आज दोपहर 12 बजे से रामलला का सूर्य तिलक हुआ। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में सूर्य तिलक किया गया। 9 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। पीएम मोदी ने टीवी पर रामलला का सूर्य तिलक देखा। इस दौरान मोदी हाथ जोड़कर खड़े नजर आए।

सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। विशेष पूजा की। इसके बाद आरती हुई। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए गए। अब रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगेगा। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम बनाया गया। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। इससे पहले, गर्भगृह को फूलों से सजाया गया। सुबह 5.30 बजे आरती की गई। भगवान को पीतांबर पहनाए गए। आम दिनों के मुकाबले भक्त 3 घंटे ज्यादा दर्शन कर पाएंगे। सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक यानी 18 घंटे दर्शन होंगे। वैसे रोजाना 6.30 से रात 9.30 तक दर्शन होते हैं।

10 लाख श्रद्धालु पहुंचे अयोध्या

आज करीब 10 लाख लोग रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर काफी भीड़ है। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। आम दिनों में औसतन 70 हजार श्रद्धालु दर्शन करते हैं। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगाया। इसमें फलाहार, कुट्टू व सिंघाड़े के आटे के साथ धनिया,राम दाना की पंजीरी से भोग लगाया। यह करीब 10 क्विंटल के भोग को श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में बांटा गया।

पीएम ने कहा था - युद्ध के हालात का असर लम्बे समय तक रहने की आशंका

लॉकडाउन की बातें अफवाह... सरकार ने कहा पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं

होर्मुज खुलवाने के लिए इंटरनेशनल फोर्स में शामिल होगा यूएई

नईदिल्ली. एजेंसी

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी उछाल और उससे उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत सरकार का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार दो पोस्ट कीं। इसमें उन्होंने बताया कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लॉकडाउन की खबरों को भी अफवाह बताया।

पुरी ने अपनी पोस्ट में बताया, वैश्विक स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। हम ऊर्जा, सप्लाई चेन और जरूरी वस्तुओं से जुड़े हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश में ईंधन, ऊर्जा और अन्य आवश्यक चीजों की आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभावित चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहों को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें। इस तरह की स्थिति में अफवाह फैलाना और बेवजह डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना और हानिकारक है।

एलपीजी लेकर पहुंचा 'जग वसंत'

ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के चलते कई दिनों से फंसा भारतीय झंडे वाला जहाज जग वसंत भारत पहुंच गया है। यह जहाज आज सुबह गुजरात के बंदरगाह पर पहुंचा। बीते दिनों भारतीय झंडे वाले दो जहाजों पाइन गैस और जग वसंत ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार किया था।

अफवाहों के कारण कुछ पंपों पर लोगों की भीड़ लग रही है।

भारत में नहीं बढ़ी तेल की कीमत

एक अन्य पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले एक महीने में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए। दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश पेट्रोल-डीजल के दाम 30 से 50 फ़ीसदी तक बढ़े। अफ्रीकी देशों में कीमतों में 50 फ़ीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं उत्तरी अमेरिका और यूरोप तक में कीमतें 30 तक बढ़ी हैं। लेकिन भारत में कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ। उधर, संयुक्त अरब अमीरातने अमेरिका को जानकारी दी है कि वह होर्मुज को फिर से खोलने के लिए बनाए जाने वाले इंटरनेशनल फोर्स में शामिल होने के लिए तैयार है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई हॉर्मुज सिक्योरिटी फोर्स बनाने के लिए सऊदी अरब जैसे कई देशों को साथ लाने की कोशिश भी कर रहा है।

शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, बीते सोमवार को इन दोनों जहाजों को ईरान के लारक और केश्म द्वीपों के बीच देखा गया था।

सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाई उपभोक्ताओं को अभी राहत नहीं

मिडिल ईस्ट संकट का तेल बाजार पर गहरा असर पड़ रहा है। नायरा जैसी प्राइवेट कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। दरअसल ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से फ्यूल कंपनियों को घाटा हो रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती का ऐलान किया है। सरकार ने पेट्रोल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी पूरी तरह खत्म कर दी गई है। तेल कम्पनियाँ चाहें तो इसका लाभ रिटेल ग्राहकों को दे सकती हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि एक्साइज ड्यूटी घटने से आम उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल - डीजल के दाम घटने की संभावना नहीं है। इससे सिर्फ ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के नुकसान की भरपाई होगी।

पीएम मोदी आज करेंगे समीक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आज शाम बातचीत करेंगे। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ पहली बार बैठक होगी। इस दौरान संकट से निपटने में राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा भी होगी। इस पहल का उद्देश्य टीम इंडिया की भावना से प्रेरित होकर सरकार के प्रयासों में तालमेल सुनिश्चित करना है।

एकतरफा सीजफायर दस दिन बढ़ाने के बाद अब क्या होगी ट्रम्प की रणनीति?

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

पांच दिन के एकतरफा सीजफायर को ट्रम्प ने अब दस और बढ़ा दिया है। इसके बाद वे क्या कदम उठाएंगे? इसे पूरी तरह से युद्ध विराम में तब्दील करेंगे? इजराइल के अंतिम लक्ष्यों के तार्किक परिणति तक पहुंचने का इंतजार करेंगे? या सीधे ईरान की धरा पर अपनी पैदल सेना को उतारने की बजाए खार्ग जैसे उसके सामरिक नजरिए से अहम व्दीपों पर अमेरिकी सैनिकउतारने का जोखिम लेंगे? इस पूरे युद्ध के दौरान न तो ईरान ने ईजरायल पर हमले रोके और न ही ईरान के प्राक्सी संगठन हिजबुल्ला के खात्मे के बहाने इजरायल दक्षिणी लेबनान में अपने विस्तार की रणनीति से पीछे हटा।

जाहिर है कि ट्रम्प के इकतरफा युद्ध विराम की परवाह किसी ने भी नहीं की। इस युद्ध विराम दौरान ट्रम्प ने खाड़ी के देशों में थल सेना को उतारने के साथ ही आगे की तैयारियों पर फोकस जारी रखा। पर यह सवाल अहम है कि वे अगला कदम क्या उठाएंगे। वैसे तो वह अमेरिकी खजाने पर भारी बोझ पड़ने और घरेलु मोर्चे पर घेरे जाने के कारण सम्मान पूर्वक इस जंग से बाहर निकलना चाहते हैं। लेकिन, यह कैसे मुमकिन होगा? शायद यह ट्रम्प को भी नहीं पता। भले ही उन्होंने असीम मुनीर को जंग खत्म करने का जिम्मा सौंपकर पाकिस्तान के सामने धर्मसंकट भरे हालात पैदा कर दिए हों, लेकिन यह मान लेना बड़ी भूल होगी कि यह जंग पूरी तरह से खत्म हो जाएगी या तनाव घट जाएगा। दरअसल, यह अल्प विराम शांति का संकेत कम और रणनीतिक पुनर्संतुलन का अवसर अधिक रहा। अमेरिका और इजराइल के लिए यह समय युद्ध की अगली दिशा तय करने का था, जहां सैन्य, कूटनीतिक और मनोवैज्ञानिक पहलू एक साथ कदमताल करते हैं।

अमेरिका की नीति पर नजर डालें तो उसका स्पष्ट उद्देश्य नियंत्रित जंग को बढ़ाने तक ठिठक गया है। वह एक तरफ इजराइल की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर इस संघर्ष को व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से रोकना भी उसकी प्राथमिकता है। यही कारण है कि अमेरिका लगातार सैन्य उपस्थिति के जरिए दबाव बनाए रखते हुए, बैक-चैनल डिप्लोमेसी के माध्यम से तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका का सबसे बड़ा डर यह है कि यदि ईरान या उसके समर्थित समूह सीधे तौर पर इस संघर्ष में उतरे तो हालात बेकाबू हो सकते हैं।

...तो पूर्ण युद्ध की ओर बढ़ेगी जंग

इजराइल की बात करें तो उसके लिए यह सीजफायर स्थायी शांति का रास्ता नहीं था। यह देश आमतौर पर तीन स्तरों पर काम करता है। खुफिया जानकारी को मजबूत करना, लक्षित हमलों की योजना बनाना और दुश्मन की क्षमताओं को निर्णायक रूप से कमजोर करना। इसी के चलते उसने दक्षिणी लेबनान को कब्जाने के लिए पूरे जतन कर रखे हैं। पैदल सैनिकों के साथ हवाई हमले करके उसने उत्तरी लेबनान से उसका संपर्क लगभग काट दिया है। लाख टके का सवाल यही है कि क्या ट्रम्प, इजरायल के ख्वाबों के पूरा होने का इंतजार करेंगे, या फिर जंग से बाहर निकलकर इजरायल को अकेला छोड़ देंगे। दूसरे विकल्प की संभावना बेहद कम है। लेकिन, यह तय है कि यदि इस दौरान कोई बड़ा पलटवार ईरान की तरफ से होता है तो यह जंग पूर्ण युद्ध की दिशा में तेजी से बढ़ जाएगी।

लद्दाख के लेह में 4.0 तीव्रता के भूकंप से कांपी धरती

लद्दाख। लेह में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.9 मापी गई है। यह भूकंप सुबह 08:31 बजे आया। इधर, नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित सुदूरपश्चिम प्रांत में सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई।

राजकोट में भी भूकंप के झटके

वहीं, गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित राजकोट जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र राजकोट से सात किमी दक्षिण-पश्चिम में 15 किमी की गहराई पर स्थित था।

आज का कार्टून

पेरियासामी कुमारन होंगे ब्रिटेन में भारत के नए उच्चायुक्त

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने अपनी राजनयिक रणनीति में बड़ा फेरबदल करते हुए अनुभवी राजनयिक पेरियासामी कुमारन को यूनाइटेड किंगडम में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया है। वहीं, वर्तमान में ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी को चीन में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की। ब्रिटेन में सफल कार्यकाल के बाद विक्रम दोरईस्वामी अब बीजिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह भी 1992 बैच के अधिकारी हैं और राजनयिक सेवा में आने से पहले एक वर्ष तक पत्रकारिता भी कर चुके हैं।

निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा, 8 घायल

भोपाल। एम्स के सामने एक निर्माणाधीन निजी बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। हादसे में नीचे खड़े करीब 8 लोग घायल हो गए। यहां सडाना मेडिकल स्टोर की चार मंजिला इमारत बन रही है। नीचे मेडिकल स्टोर था। एम्स में आए मरीज और उनके परिजन दवाई लेने के लिए यहां पहुंचे थे, तभी यह हादसा हुआ। हादसे में एक बच्ची भी घायल हुई है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे एम्स में भर्ती कराया गया है।

मंदिर से लौट रहे परिवार के 5 लोगों की मौत

पुलिस से बचने के लिए भाग रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर

ग्वालियर, एजेंसी

ग्वालियर के परशुराम चौराहे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे सहित चार लोग घायल हैं। वहीं गंभीर हेड इंजरी की वजह से ऑटो ड्राइवर की हालत भी नाजुक है। हादसा आज तड़के 3 बजे उस समय हुआ, जब ऑटो में सवार लोग शीतला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो नीम के पेड़ से टकराने के बाद बुरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गया, उसमें सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। चश्मदीद भूरा के मुताबिक, स्कॉर्पियो ने बस स्टैंड पर एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी थी। उसके पीछे पुलिस लगी थी। भागते समय स्कॉर्पियो ने रास्ते में ऑटो को भी टक्कर मार दी।

मेट्रो एंकर | भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भोजन उगाने और लंबे मिशन को संभव बनाने की कवायद

स्पेस फार्मिंग का ट्रायल सफल... चांद पर चने उगाना चाहते हैं वैज्ञानिक

नई दिल्ली /टेक्सस . एजेंसी

वैज्ञानिकों ने चंद्रमा जैसी नकली मिट्टी में काबुली चने की फसल सफलतापूर्वक उगाकर अंतरिक्ष खेती की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टेक्सस यूनिवर्सिटी के शोध में वर्मीकम्पोस्ट और विशेष फंगस की मदद से पौधे उगाए गए। इससे भविष्य में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भोजन उगाने और लंबे मिशनों को संभव बनाने की उम्मीद बढ़ी है। वैज्ञानिकों की जिज्ञासा है कि क्या आने वाले समय में अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर अपना भोजन उगा सकेंगे? चंद्रमा पर लंबे समय तक रहने और काम करने के लिए वहां के संसाधनों का उपयोग करना इसके लिए बेहद जरूरी होगा। इसको ध्यान में रखते हुए एक प्रयोग किया गया। टेक्सस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चंद्रमा जैसी

नकली मिट्टी तैयार की और उसमें चना उगाने की कोशिश की। आखिरकार वे सफल हो गए। पहली बार चंद्रमा की नकली मिट्टी वाले मटीरियल में चने की फसल उगाई गई है। इसके लिए काबुली चने की 'माइल्स' किस्म चुनी गई, जिसका आकार अंतरिक्ष के वातावरण में फसल उगाने के लिए उपयुक्त माना जाता है। अब उम्मीद बढ़ी है कि भविष्य में अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर फसल उगा सकेंगे, जिससे उन्हें ताजा खाना मिल सकेगा। इस प्रॉजेक्ट की प्रमुख रहीं वैज्ञानिक सारा सैंटोस ने कहा कि रिसर्च का उद्देश्य चांद पर फसल उगाने की संभावना जानना है। वैज्ञानिकों ने प्रयोग में जिस मिट्टी का इस्तेमाल किया, वह अपोलो प्रोग्राम के दौरान लाए गए चांद के सैंपल से मिलती-जुलती थी। मिट्टी को बेहतर बनाने के लिए उसमें वर्मीकम्पोस्ट खाद मिलाई गई, जो रेड विगलर केंचुओं से बनती है और पोषक तत्वों व बैक्टीरिया से भरपूर होती है। वैज्ञानिकों ने चने के बीजों पर Arbuscular Mycorrhizal फंगस भी लगाया। यह फंगस पौधों की जड़ों को पोषक तत्व सोखने में मदद करता है। इससे भारी धातुओं के नुकसान को कम किया जा सकता है।

जिंदा रहे फंगस वाले पौधे

नतीजों से पता चला कि पौधे 75 फ़ीसदी तक चंद्र धूल वाले मिश्रण में भी उग सकते हैं। लेकिन जब धूल बढ़ने लगी, तो पौधों का बढ़ना मुश्किल हो गया और वे मरने लगे। जिन पौधों के बीजों पर फंगस लगाया गया था, वे बिना फंगस वाले पौधों के मुकाबले ज्यादा समय तक जिंदा रहे। इससे पता चलता है कि फंगस पौधों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि चंद्रमा की नकली मिट्टी में फंगस अच्छी तरह टिक सकता है। अब वैज्ञानिकों का अगला कदम यह जांचना है कि चांद पर उगाए गए चने खाने के लिए सुरक्षित हैं या नहीं और उनकी पोषण मात्रा कैसी है।

पाइपलाइन वाले इलाकों में सिलेंडर की सप्लाई की जाएगी बंद

पॉश इलाकों में पीएनजी कनेक्शन जरूरी नहीं लेने पर बंद होगी एलपीजी सप्लाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के अरेरा कॉलोनी, शाहपुरा सहित कई पॉश इलाकों में पीएनजी लाइन बिछाई जा चुकी है। ऐसे में इन सभी इलाकों के एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन लेना अब अनिवार्य हो गया है। यदि वह नए नियमों का पालन नहीं करते हैं तो तीन महीने बाद एलपीजी आपूर्ति बंद की जा सकती है।

केंद्र सरकार ने नए नियमों (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 2026) के तहत एलपीजी सिलिंडर छोड़कर पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य किया है। जिले में साढ़े पांच लाख घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनको 40 गैस एजेंसियों द्वारा प्रतिदिन करीब 11 हजार सिलिंडर आपूर्ति की जा रही है। इनमें से शहरी क्षेत्र में करीब साढ़े तीन लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें से बाग मुगलिया, बागसेवनियां, रोहित नगर, सलैया और पिपलानी क्षेत्र में करीब 36 हजार घरों में पीएनजी कनेक्शन लगाए जा चुके हैं और आपूर्ति भी शुरू कर दी गई है। जबकि अरेरा कॉलोनी, शाहपुरा, गुलमोहर, बावड़िया कलां, कोलार रोड, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, अयोध्या बायपास और करोंद सहित कई इलाकों में लाइन बिछाई जा चुकी है। ऐसे में अब इन इलाकों के करीब एक लाख से अधिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन देने की तैयारी है। इन उपभोक्ताओं को नए नियमों के अनुसार पीएनजी कनेक्शन लेना होगा, यदि वह नहीं लेते हैं तो एलपीजी कनेक्शन काट दिया जाएगा। अब नए नियमों के तहत एक उपभोक्ता के पास एलपीजी-पीएनजी दोनों कनेक्शन नहीं हो सकते हैं, इनमें से उन उपभोक्ताओं को पीएनजी देने की तैयारी है, जिनके घर से तीन किमी दूर थिंक गैस की पाइपलाइन गुजरी है।

व्यावसायिक गैस की आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव

प्रदेश में व्यावसायिक गैस की आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव करते हुए अलग-अलग सेक्टर के लिए स्पष्ट कोटा निर्धारित किया है, ताकि आवश्यक सेवाओं और संस्थाओं को प्राथमिकता मिल सके। तय कोटे के अनुसार व्यावसायिक गैस सिलिंडर का वितरण करने के लिए पिछले तीन माह की खपत का औसत निकालकर प्रत्येक उपभोक्ता की दैनिक जरूरत तय की जाएगी। इसी औसत के आधार पर होटल, रेस्टोरेंट, केटरिंग और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गैस सिलिंडर उपलब्ध कराएंगे। इस व्यवस्था से अचानक से बढ़ी मांग या अनियमित वितरण की समस्या पर नियंत्रण मिलेगा और सभी उपभोक्ताओं को उनकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार सिलिंडर मिल सकेंगे। वहीं कालाबाजारी और स्टॉक जमा करने जैसी प्रवृत्तियों पर भी रोक लगेगी। प्रदेश में नई व्यवस्था के तहत शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों को उनकी जरूरत की 100 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जाएगी। यह गैस कुल व्यावसायिक गैस का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा होगी। वहीं होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग सेक्टर को 9-9 प्रतिशत गैस सिलिंडर की सप्लाई होगी।

रामनवमी पर माता रानी को लगा भोग

भोपाल। शहर में चैत्र नवरात्रि और रामनवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भव्य आयोजन किए गए, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। हमीदिया रोड स्थित मंदिर में अष्टमी के अवसर पर माता रानी को छप्पन भोग अर्पित किए गए। इसके साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं शाहजहानाबाद स्थित दुर्गा मंदिर में रामनवमी के पावन दिन पर इंद्र कुमार जोधानी परिवार द्वारा विधि-विधान से कन्या पूजन एवं भंडारा आयोजित किया गया। इस आयोजन में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।
पीजीवीटी कॉलेज सभागार में भी धार्मिक उत्साह देखने को मिला, जहां भजन संध्या का आयोजन किया गया। भक्ति गीतों और माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा, जिसमें शिक्षक और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। टीला जमालपुरा स्थित केला देवी मंदिर में हवन-पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर सुख-समृद्धि की कामना की। शिवाजी नगर स्थित दुर्गा मंदिर को भी विशेष रूप से आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया, जिससे मंदिर की भव्यता और भी बढ़ गई। रात के समय यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

मैनिट ने शुरू किया वैज्ञानिक मूल्यांकन

गौहर महल का संरक्षण : अत्याधुनिक गैर विनाशकारी तकनीकों से स्थल पर परीक्षण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गौहर महल जैसी ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और अभिनव पहल सामने आई है। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड ने मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी संस्थान (मेनिट) के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से महल का वैज्ञानिक मूल्यांकन प्रारंभ किया है। इस परियोजना के तहत संरचना की मजबूती, स्थायित्व और भू-तकनीकी स्थिति का अध्ययन आधुनिक गैर-विनाशकारी तकनीकों के माध्यम से किया जा रहा है।इसी क्रम में गुरुवार को मैनिट की शोध टीम ने गोहर महल परिसर में जल रिसाव (सीपेज) की गहन जांच की। इस अध्ययन का उद्देश्य महल के भीतर और उसकी नींव के नीचे जल प्रवाह की स्थिति को समझना और उसके संरचनात्मक प्रभावों का विश्लेषण करना है। मैनिट के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋतुजा चव्हाण और प्रोफेसर डॉ. ज्योति सरूप के मार्गदर्शन में बी.टेक और पीएचडी शोधार्थियों की टीम ने

अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से स्थल पर परीक्षण किए। इस दौरान ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार और मैग्नेटोटेल्यूरिक तकनीक जैसे उन्नत साधनों का उपयोग करते हुए महल की सतह के नीचे की स्थिति का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया। गौहर महल के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया की विशेषता यह रही कि जांच पूर्णतः गैर-विनाशकारी तकनीकों के माध्यम से की गई। इससे महल की मूल संरचना को बिना किसी क्षति पहुंचाए सटीक और विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त किए जा सके।

313 कछुए जब्त होने के बाद वन विभाग की एडवाइजरी

प्रतिबंधित वन्य जीव खरीदा-बेचा तो होगी 7 साल की सजा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन विभाग के जाइंट आपरेशन में 313 कछुए जब्त किए जाने के बाद वन विभाग ने वन्य जीवों की अवैध बिक्री, खरीदी और पालने को अपराध बताते हुए इससे दूर रहने को कहा है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव ने कहा है कि अगर कोई ऐसा करते पाया गया तो केस दर्ज किया जाएगा और सात साल की सजा के साथ जुर्माने का भागीदार होगा।

एक्वेरियम दुकान में कछुओं, पक्षियों की बिक्री अपराध

वन विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में स्पष्ट किया गया है कि वन्य-जीवों का शिकार, व्यापार, परिवहन, कब्जा या पालन दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद बाजार में कुछ पेट शॉप और एक्वेरियम दुकानों में प्रतिबंधित कछुओं, पक्षियों एवं अन्य जीवित प्रजातियों की अवैध बिक्री की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जो पूरी तरह गैरकानूनी है और वन्य-जीवों की प्राकृतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध है।

दुकानदारों को अनुमति बगैर व्यापार न करने के निर्देश

वन विभाग ने दुकानदारों और पालतू पशु-पक्षी विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति CITES प्रजातियों का व्यापार न करें और अपने प्रतिष्ठान में उपलब्ध पशु-पक्षियों से संबंधित वैध दस्तावेज सुरक्षित रखें। साथ ही प्रतिबंधित प्रजातियों की सोशल मीडिया या ऑनलाइन माध्यमों से बिक्री और प्रचार-प्रसार से भी दूर रहने को कहा गया है।

वन्य-जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में प्रतिबंधित वन्य-जीवों की अवैध बिक्री, खरीद-फरोख्त एवं पालन को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। फरवरी 2026 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स एवं वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में प्रतिबंधित प्रजाति के 313 जीवित कछुओं को जब्त किया गया और इस मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया।

आम नागरिकों से भी आग्रह किया गया है कि वे प्रतिबंधित वन्य-जीवों को न खरीदें और न ही घरों में पालें। यदि किसी के पास ऐसी जानकारी हो तो तत्काल वन विभाग या पुलिस को सूचित करें। अवैध वन्य-जीव व्यापार की सूचना वन विभाग के टोल फ्री नंबर 0755-2524000 पर भी दी जा सकती है।

जुर्माना भी लगाया जाएगा: वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वन्य-जीव (संरक्षण) अधिनियम-1972 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 7 वर्ष तक के कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-जीव) एल. कृष्णामूर्ति ने नागरिकों, पेट शॉप संचालकों एवं मीडिया से वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा के लिए सहयोग करने की अपील की है।

लैब में आर्टिफिशियल स्किन और कॉर्निया होंगी तैयार

एम्स भोपाल में एआई और इंटीग्रेटिव मेडिसिन पर फोकस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गंभीर बीमारियों के इलाज में अब बड़ा बदलाव आने के संकेत मिल रहे हैं। एक ओर डीआरडीओ की लैब में आर्टिफिशियल स्किन और कॉर्निया तैयार करने पर तेजी से काम चल रहा है, वहीं एम्स भोपाल में इंटीग्रेटिव मेडिसिन और एडवांस ट्रीटमेंट मॉडल पर रिसर्च इसे जमीन पर उतारने की दिशा में बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह तकनीक क्लिनिकल स्तर पर सफल होती है, तो बर्न केस, गंभीर घाव और आंखों की रोशनी खो चुके मरीजों के इलाज में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। इससे अंगों की कमी से जूझ रहे हजारों मरीजों को नई उम्मीद मिल सकती है। एम्स में ओजित कार्यक्रम के दौरान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की लैब में आर्टिफिशियल स्किन, बोन और कॉर्निया तैयार करने पर काम तेज हो गया है। इसमें पशुओं के कोलेजन का उपयोग किया जा रहा है। बर्न केस में सबसे बड़ी समस्या स्किन ग्राफ्ट की कमी होती है, जिससे मरीजों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। आर्टिफिशियल स्किन इस चुनौती को काफी हद तक कम कर सकती है। वहीं, कॉर्निया की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए यह तकनीक नई रोशनी साबित हो सकती है।

एम्स भोपाल में चिकित्सा शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देते हुए नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के सहयोग से अंग प्रत्यारोपण और स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर पहली रीजनल सीएमई आयोजित की गई। इस कार्यस्त्र5म में देशभर से आए विशेषज्ञों ने बताया कि भविष्य में आर्टिफिशियल ऑर्गन और इंटीग्रेटिव मेडिसिन मिलकर इलाज को अधिक प्रभावी बनाएंगे। स्वास्थ्य सूत्रों के अनुसार, एम्स भोपाल जैसे संस्थान आने वाले समय में इन तकनीकों के ट्रायल और क्लिनिकल उपयोग के प्रमुख केंद्र बन सकते हैं।

अंगों की कमी के बीच नई उम्मीद

भारत में हर साल हजारों मरीज अंगों की कमी के कारण समय पर इलाज नहीं करा पाते। ऐसे में आर्टिफिशियल स्किन और कॉर्निया जैसी तकनीकें गेम-चेंजर साबित हो सकती हैं। इससे न केवल इलाज की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि मरीजों के ठीक होने की संभावना भी बेहतर होगी।

बावड़िया कला में जाम से मिलेगी राहत दानापानी चौराहे पर लगा सिग्नल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बावड़िया कला क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए तात्कालिक राहत के उपाय शुरू किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने आरओबी से उतरते ही दानापानी चौराहे पर नहर किनारे ट्रैफिक सिग्नल लगवाया है। अगले 15 दिन तक सुबह, दोपहर, शाम और रात के ट्रैफिक आंकड़ों के आधार पर सिग्नल की टाइमिंग तय होगी।

यही व्यवस्था बावड़िया कला चौराहे पर भी लागू की गई है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने मौके का निरीक्षण किया था। पीक ऑवर में यहां ट्रैफिक दबाव 4000 पीसीयू तक पहुंच जाता है, जिससे सुबह-शाम जाम लगता है। इसके समाधान के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी की मदद से सिग्नल लगाए गए हैं, जबकि पीडब्ल्यूडी ने दीर्घकालिक योजना भी तैयार की है। इसके तहत दानापानी चौराहे पर सड़क चौड़ीकरण, चारों ओर लेफ्ट टर्न, ईश्वर नगर और 11 नंबर से आने वाले वाहनों के लिए नहर पार सड़क चौड़ी करना और कॉलोनी गेट पीछे कर लेफ्ट टर्न विकसित किया जाएगा। जाम का असर पूरे कॉरिडोर पर पड़ता है।

एकजुट थिएटर एण्ड वेलफेयर समिति की प्रस्तुति

'गबरघिचोर' के बहाने समाज की पीड़ा का किया गया सशक्त मंचन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एकजुट थिएटर एंड वेलफेयर समिति द्वारा मायाराम सुरजन भवन में प्रस्तुत भिखारी ठाकुर के चर्चित भोजपुरी लोकनाटक 'गबरघिचोर' का मंचन केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि सामाजिक यथार्थ का संवेदनशील और विचारोत्तेजक चित्रण बनकर सामने आया। यह नाटक दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक विसंगतियों पर सोचने के लिए मजबूर करता है। भोजपुरी लोक रंगमंच के शेक्सपियर कहे जाने वाले भिखारी ठाकुर की यह रचना आज भी उतनी ही प्रासंगिक प्रतीत होती है। नाटक की मूल संवेदना -पलायन, स्त्री की

विवशता, पारिवारिक विघटन और मातृत्व की पीड़ा - को निर्देशक और कलाकारों ने सादगी के साथ प्रभावशाली ढंग से मंच पर उतारा। नाटक का सबसे सशक्त पक्ष रहा कलाकारों का जीवंत अभिनय। गलीज की भूमिका में रविन्द्र मुंडे ने अपने चरित्र की जटिलताओं को बखूबी उभारा, वहीं गलीज बो के रूप में खुशबू ने एक पीड़ित स्त्री की अंतर्द्वंद्व पूर्ण स्थिति को मार्मिकता से प्रस्तुत किया। गबरघिचोर के रूप में अंकित यादव ने मासूमियत और संघर्ष के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों का ध्यान केंद्रित रखा। पंच की भूमिका में इमरान खान का संतुलित अभिनय कथा को विश्वसनीयता प्रदान करता है। नाटक का पंचायत दृश्य विशेष रूप से प्रभावशाली रहा।

मेट्रो एंकर | रविन्द्र भवन में शुरू हुआ चार दिवसीय इंडीमूंस आर्ट्स फेस्टिवल

'कोई भी अपने कर्मों से रचे चक्रव्यूह से मुक्त नहीं हो सकता'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रविन्द्र भवन के हंसध्वनी सभागार में नाटक 'चक्रव्यूह' के मंचन के साथ चार दिवसीय इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। रंगा थिएटर समूह द्वारा प्रस्तुत इस नाट्य कृति ने महाभारत के प्रसंगों को आधुनिक संवेदनाओं के साथ जोड़ते हुए दर्शकों को एक गहन और विचारोत्तेजक अनुभव प्रदान किया। फिल्म अभिनेता नीतीश भारद्वाज की मंच उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण दिया और दर्शकों में उत्सुकता का वातावरण बना दिया। नाटक की मूल कथा महाभारत के युद्ध के तेरहवें दिन अभिमन्यु के चक्रव्यूह में प्रवेश की घटना पर आधारित है। निर्देशक अतुल सत्य कौशिक ने इस सर्वविदित प्रसंग को नए दृष्टिकोण और शिल्प के साथ प्रस्तुत किया। भारतीय जनमानस में गहराई से रची-

बसी इस कथा को ताजगी के साथ मंच पर लाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे प्रस्तुति ने सफलतापूर्वक साधा। नाटक का केंद्रीय विचार -'कोई भी अपने कर्मों से रचे चक्रव्यूह से मुक्त नहीं हो सकता' - पूरी प्रस्तुति को दार्शनिक आधार प्रदान करता है। यह संदेश कथा को केवल पौराणिक घटना तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे आज के जीवन से जोड़ देता है। 'चक्रव्यूह' केवल युद्ध की कहानी नहीं है, बल्कि यह जीवन के जटिल प्रश्नों को भी सामने लाता है। कर्म, धर्म, निष्ठा और कर्तव्य जैसे मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। नाटक में चक्रव्यूह को केवल युद्ध रणनीति नहीं, बल्कि जीवन के संकटों के रूपक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को इसके सात द्वारों के रूप में दर्शाया गया है। यह प्रस्तुति दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या व्यक्ति अपने जीवन के चक्रव्यूह से वास्तव में मुक्त हो सकता है। अंतिम दृश्य, जिसमें अभिमन्यु की वीरगति और कृष्ण का यह कथन कि 'अभिमन्यु हारा नहीं', दर्शकों को भीतर तक झकझोर देता है और सकारात्मक संदेश के साथ नाटक का समापन करता है। कुल मिलाकर, 'चक्रव्यूह' एक सशक्त और संतुलित नाट्य प्रस्तुति है, जो पौराणिक कथा को आधुनिक संदर्भों से जोड़ते हुए दर्शकों को गहराई से सोचने के लिए प्रेरित करती है। अभिनय, निर्देशन और तकनीकी पक्ष का समन्वय इसे एक प्रभावी और यादगार अनुभव बनाता है।

मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा को दी 500 करोड़ से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात, बोले-

किसानों सहित सभी वर्गों का कल्याण ही ध्येय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। गरीब, किसान, महिला और युवा सहित सभी वर्गों का कल्याण राज्य सरकार का संकल्प है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। प्रदेश के किसानों को सालभर में 12 हजार रुपए की सम्मान निधि और लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। अन्नदाता की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की समृद्धि में ही प्रदेश की खुशहाली है। इसी ध्येय से किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ पशुपालन, दूध उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण से आय दोगुनी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह प्रदेश का स्वर्णिम काल है।

सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश औद्योगीकरण और युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सबसे आगे है। उन्होंने छिंदवाड़ा जिले को 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 133 करोड़ की लागत के तामिया-जुन्नारदेव मार्ग, नल जल योजना के कार्य, पुलिस आवास गृह, माध्यमिक विद्यालय भवन और छात्रावास सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के लिए नया भवन बनाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश के 7008 श्रमिकों के खातों में संबल योजना की 157 करोड़ की राशि का अंतरण किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में 55 लाख से अधिक हितग्राहियों को 463 करोड़ की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ भी वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैत्र नवरात्रि की महा अष्टमी के दिन छिंदवाड़ा में दीप प्रज्ज्वलित कर एवं कन्या पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जामसांवली में श्री हनुमान लोक का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा को लगभग 500 करोड़ और पांढुर्णा को 350 करोड़ से अधिक की अनुपम सौगात मिली है। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के पास जामसांवली में श्री हनुमान लोक के लोकार्पण का सौभाग्य मिला। भगवान श्री हनुमान के बिना तो रामराज्य भी अधूरा सा लगता है। हमारा शासनकाल भगवान श्रीराम के राज्य जैसा होना चाहिए। राज्य सरकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद अब मध्यप्रदेश के पवित्र चित्रकूट धाम को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। विरासत को विकास से जोड़ते हुए प्रदेश में श्रीराम गमन पथ का कार्य जारी है। उज्जैन में बाबा महाकाल, जामसांवली श्री हनुमान धाम, सतना की शारदा मैया जैसे अनेक प्रसिद्ध धर्म स्थलों में महत्वपूर्ण तीर्थ होने के नाते सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

स्कूलों के लिए 3 साल में आई राशि की जांच करेंगे कलेक्टर

मेंटनेंस घोटाले को किया गया शामिल, टीवी खरीदी को छोड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के स्कूल शिक्षा विभाग में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है। विभागीय मंत्री ने इस मामले को लेकर नाराजगी जाहिर की है। इसके बाद आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता ने एक पत्र सभी जिलों के कलेक्टर को लिखा है कि वे बीते 3 साल में हुए कामों की जांच करके प्रतिवेदन भेजें। इसमें तीन साल के भीतर जो भी बजट आवंटित हुआ है और उसमें जो निर्माण कार्य हुए हैं, उनकी पूरी जांच करना है। हालांकि इसमें इंटरएक्टिव पैनल के मामले को शामिल नहीं किया है, जबकि इसको लेकर भी कई शिकायतें विभागीय मंत्री और अफसरों को हो चुकी हैं।

जांच के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। उधर, जिलों में इस पत्र के बाद कलेक्टरों की तरफ से जांच कमेटी बनाई जा रही है, जो कि कलेक्टरों की निगरानी में ही पूरे मामले की जांच करेगी।हालांकि इस पूरे मामले में मंत्री उदय प्रताप सिंह के निर्देश के बाद तीन अफसरों को हटाने की कार्रवाई कर दी गई है। इनमें डीएस कुशवाह संचालक लोक शिक्षण को सीमेट (राज्य शैक्षिक प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान) का संचालक बनाकर भेजा गया है।

वहीं प्रमोद कुमार सिंह सीमेट को लोक शिक्षण में संचालक बनाया गया है। साथ ही विभाग में उप सचिव बनाया गया है। इसके अलावा पीके सिंह बघेल जो कि उप संचालक लोक शिक्षण थे को राज्य शिक्षा केंद्र में पदस्थ किया गया है।

यह मामले हैं जांच की जद में

मप्र में तीन साल में स्कूलों में जमकर मेंटनेंस काम हुआ है। बीते साल ही करीब 149 करोड़ रुपए स्कूलों में मेंटनेंस के लिए भेजे गए थे, लेकिन इसके लिए भोपाल की ही फर्म को ?काम दे दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी को बायपास करके बीईओ और प्राचार्य स्तर पर काम कराया गया। रीवा, मैहर और सतना जिले में बिना काम के भुगतान करने का मामला सामने आया। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद यह मामला विधानसभा में उठाया गया और मंत्री ने इसमें जांच के निर्देश दिए।

IAS अफसर की निगरानी वाली कमेटी अभी होल्ड

विभागीय मंत्री ने आईएएएस अफसर की निगरानी में कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए थे, लेकिन फिलहाल इस समिति को बनाने का मामला होल्ड हो गया है। कमाल की बात यह है ?कि इस पूरे मामले में वित्तीय स्वीकृति देने वाले ?लोक शिक्षण संचालनालय के वित्त अधिकारी राजेश मोर्य व उन फर्म से सवाल-जवाब नहीं हुए, जिनके ऊपर बिना काम किए भुगतान लेने के आरोप हैं। विभागीय अफसरों ने बताया कि कलेक्टरों की रिपोर्ट आने के बाद ही

स्कूलों की लापरवाही से लटक सकता है 10वीं-12वीं का रिजल्ट

कई स्कूलों ने अब तक नहीं भरे आंतरिक अंक 29 मार्च अंतिम तिथि, इसके बाद मौका नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम 15 अप्रैल को जारी करने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन इस बार प्राचार्यों की लापरवाही के कारण देरी की आशंका बढ़ गई है। कई स्कूलों ने प्रायोगिक परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन के अंक अब तक ऑनलाइन दर्ज नहीं किए हैं। मंडल द्वारा पहले 12 मार्च तक अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि की समय-सीमा तय की गई थी, लेकिन कार्य पूरा नहीं होने पर इसे बढ़ाकर 29 मार्च कर दिया गया है।

मंडल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी विद्यालय निर्धारित समय-सीमा तक हर हाल में अंक ऑनलाइन दर्ज करें, ताकि परिणाम समय पर जारी हो सके। सचिव द्वारा जारी पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि 29 मार्च तक अंक प्रविष्ट नहीं किए गए, तो संबंधित विद्यार्थियों के आंतरिक मूल्यांकन का कॉलम रिक्त छोड़कर ही परिणाम घोषित किया जाएगा। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन या पुनः प्रविष्टि की अनुमति नहीं होगी। मंडल इस वर्ष अप्रैल के दूसरे सप्ताह में परिणाम जारी करना चाहता है, क्योंकि द्वितीय बोर्ड परीक्षा 7 मई से शुरू होनी है। लेकिन आंतरिक अंकों की प्रविष्टि में देरी से परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

स्कूल स्तर पर होता है मूल्यांकन

मंडल ने तीन वर्ष पहले परीक्षा पद्धति में बदलाव करते हुए लिखित परीक्षा के साथ प्रायोगिक और प्रोजेक्ट कार्य को शामिल किया था। 100 अंकों में 80 अंक लिखित परीक्षा और 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होते हैं। ये आंतरिक अंक स्कूल स्तर पर तैयार किए जाते हैं और उनकी ऑनलाइन प्रविष्टि की जिम्मेदारी प्राचार्यों की होती है। मंडल अधिकारियों के अनुसार कई जिलों के स्कूलों ने अभी तक यह कार्य पूरा नहीं किया है।

- कई स्कूलों ने आंतरिक मूल्यांकन और प्रायोगिक अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि नहीं की है। 29 मार्च तक का समय दिया गया है। इसके बाद तारीख नहीं बढ़ाई जाएगी।

— बुद्धेश कुमार वैद्य, सचिव, माशिमं

मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए निर्देश

ड्रग्स माफिया पर नकेल कसें जिले के एसपी, पेट्रोल-डीजल का संकट नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा है कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था की कड़ी निगरानी करें। सभी एसपी जोनल प्लान तैयार करके 31 मार्च तक प्रस्तुत कर दें। ड्रग्स माफिया पर सख्ती के लिए नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान चलाने के साथ-साथ जन जागरुकता अभियान चलाएं। एनकोर समिति की हर महीने बैठक करके कार्यवाही विवरण पोर्टल पर दर्ज कराएं। सीएस जैन ने ये बातें वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहीं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रदेश में ड्रग्स माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षकों को दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश से ड्रग्स माफियाओं का नेटवर्क पूर्णतः समाप्त होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में ड्रग्स का कारोबार करने वाले अपराधियों को चिन्हित करें और उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें।

मनरेगा में जल संरक्षण के काम कराएं- उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण कराएं। मुख्य सचिव ने कहा कि मनरेगा योजना से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से कराएं। इसे जल गंगा अभियान में शामिल करके पोर्टल पर प्रगति दर्ज करें। मनरेगा से दो लाख 51 हजार कार्य स्वीकृत हैं। इनमें जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता देने से जल गंगा संवर्धन अभियान अधिक प्रभावी बनेगा। एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक पूरा कराकर इन्हें ग्राम पंचायतों को समारोहपूर्वक हैण्डओवर करें। साथ ही सभी घरों में नल कनेक्शन और पानी की आपूर्ति भी सुनिश्चित कराएं। एकल नलजल योजनाओं के स्रोत तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाएं।

समय पर हो नामांकन-सीमांकन का बंटवारा

बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती, खाद के ई टोकन से शत-प्रतिशत वितरण, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर निगरानी के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की प्रदेश में पर्याप्त उपलब्धता है। इस संबंध में आमजनों को लगातार जानकारी दें। बैठक में अधिकारियों को गेंहू उपार्जन की तैयारी, स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति, नरवाई प्रबंधन, अग्नि दुर्घटना से बचाव के उपाय, राहवीर योजना तथा प्रधानमंत्री दुर्घटना राहत योजना के संबंध में निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के अत्याचार पीड़ितों और पक्षकारों को मिलने वाली राहत राशि का भुगतान समय पर कराएं। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि नामांकन, सीमांकन और बंटवारा के प्रकरणों का समय पर निराकरण करना राजस्व अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी का निर्वहन सभी राजस्व अधिकारी और कलेक्टर्स निष्ठापूर्वक करें। अविवादित नामांतरण तथा बटवारा के प्रकरण समय सीमा में निराकृत करें।

अपेक्स बैंक सीधी के सीईओ धनवाल को नहीं मिल सका निलंबन पर स्थगन

भोपाल/जबलपुर, दोपहर मेट्रो

सीधी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के निलंबित मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीएस धनवाल के निलंबन पर स्थगन आदेश देने से उच्च न्यायालय ने इनकार कर दिया। सुनवाई के बाद न्यायालय ने अपेक्स बैंक को जवाब पेश करने की मोहलत देते हुए अगली तारीख 31 मार्च तय की है।

निलंबित मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीएस धनवाल द्वारा जबलपुर उच्च न्यायालय में अपने निलंबन आदेश को चुनौती देते हुए याचिका क्रमांक 10732/2026 प्रस्तुत की गई थी । इस याचिका पर उच्च न्यायालय की एकल पीठ के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की पीठ के समक्ष दिनांक 26 मार्च को सुनवाई की गई। जिसमें श्री धनवाल के अधिवक्ता द्वारा निलंबन आदेश को स्थगित करने का निवेदन किया गया, जिस पर अपेक्स बैंक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपरा एवं अधिवक्ता कपिल दुग्गल एवं शासन की ओर से उपमहाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली पेश हुए। इन्होने स्थगन का पुरजोर विरोध करते हुए तर्क दिया कि उनका जवाब तैयार है एवं जवाब पेश होने के उपरांत ही मुकदमे की आगे सुनवाई की जाए।

उच्च न्यायालय ने अपेक्स बैंक के निवेदन को स्वीकार करते हुए निलंबन आदेश को स्थगित न करते हुए, प्रकरण की आगामी सुनवाई हेतु दिनांक 31 मार्च की तिथि को नियत किया है। समस्त कार्यवाही को न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहने का आदेश दिया।

पीएम आवास योजना में बड़ा खेल, डबरा नगर पालिका में टाई की जगह खातों में डाले 3-3 लाख रुपये

ग्वालियर। प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार के मामले में डबरा नगर पालिका के तत्कालीन सीएमओ प्रदीप भदौरिया और कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल गुप्ता के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने एफआइआर दर्ज की है। यह कार्रवाई वार्ड-11 के पार्षद धर्मेन्द्र सिंह (हैप्पी) की शिकायत पर की गई है। आरोप है कि तत्कालीन सीएमओ प्रदीप भदौरिया ने संविदाकर्मी राहुल गुप्ता को नियम विरुद्ध तरीके से पोर्टल संचालन और भुगतान प्रक्रियाओं के लिए अधिकृत किया।

बिना सत्यापन 1.31 करोड़ का भुगतान

दोनों ने मिलकर हितग्राहियों को बिना भौतिक सत्यापन (जियो टैगिंग) के करीब एक करोड़ 31 लाख 50 हजार रुपये का आहरण कर शासन को क्षति पहुंचाई है। शिकायत के अनुसार एक अप्रैल 2023 से 30 अप्रैल 2024 के बीच कुछ हितग्राहियों के खाते में आवास योजना के तहत निर्धारित ढाई लाख रुपये के बजाय तीन-तीन लाख रुपये की राशि डाल दी गई। जियो टैगिंग भी नहीं कराई।

नरवाई जलाने की घटनाओं पर लाएं कमी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि नरवाई जलाने की घटनाओं के प्रति किसानों को जागरुक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से किसानों और आम लोगों को क्या हानियां होती हैं तथा पर्यावरण पर क्या विपरीत प्रभाव पड़ता है, इसके संबंध में जागरूक किया जाए। बैठक में प्रदेश में गेहूं उपार्जन कार्य की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि गेहूं उपार्जन के लिए सभी माकूल व्यवस्थाएं जाएं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग एवं पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

सरकारी नौकरी में सेंध

अफसरों की जाति से जुड़े 232 केस सालों से लंबित

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी तंत्र की रीढ़ कहे जाने वाले बड़े पदों पर फर्जी जाति प्रमाणपत्रों का साया मंडरा रहा है। प्रदेश की उच्च स्तरीय छानबीन समिति की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि टीएंडसीपी के जॉइंट डायरेक्टर से लेकर साइबर सेल की उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) तक के जाति प्रमाणपत्र जांच के दायरे में हैं। जनजातीय कार्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2020 से अब तक अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के कुल 174 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। लेकिन 112 प्रकरण अब भी लटके पड़े हैं। वहीं अनुसूचित जाति विकास की रिपोर्ट के अनुसार 2020 से अब तक समिति ने 123 प्रकरणों का निराकरण तो किया है, लेकिन 120 मामले आज भी लंबित हैं। 156 से ज्यादा केस केवल पुलिस और कलेक्टर की रिपोर्ट न मिलने से अटके हुए हैं। 10 प्रकरण ऐसे भी सामने आए जिनमें बिना कोई कार्रवाई किए सीधे फाइल बंद कर दी गई।

समिति हर हफ्ते बैठकें कर रही पर समय सीमा तय नहीं

इस मामले को लेकर सरकार ने 1 अगस्त 2025 को सदन में लिखित रूप से जवाब दिया था। सरकार का कहना है कि छानबीन समिति द्वारा त्वरित निराकरण के लिए हर सप्ताह बैठकें आयोजित की जा रही हैं । लेकिन समिति की प्रक्रिया अर्द्धन्यायिक होने के कारण, अंतिम फैसले के लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की जा सकी है।

मेट्रो एंकर | **भोपाल में पराली जलाने पर रोक**

एडीएम ने 3 महीने के लिए प्रतिबंध लगाया; उल्लंघन पर होगा केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। गुरुवार देर रात एडीएम सुमित कुमार पांडेय ने आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, अगले 3 महीने तक पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगाई गई है, जो पूरे भोपाल जिले में लागू रहेगी। एडीएम पांडेय ने सभी एसडीएम को पराली जलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वर्तमान में कई किसान गेहूं की कटाई में लगे हैं। इस कारण खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई किसान फसल काटने के बाद खेतों में आग लगा देते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है। इसलिए एडीएम ने यह आदेश जारी किया है।

जून तक रहेगा आदेश- एडीएम ने यह आदेश अगले 3 महीने यानी, जून तक लगाया है। तब भोपाल में मानसून एक्टिव हो जाता है। इससे पराली जलाने की घटनाएं नहीं होती है। एडीएम ने आदेश में लिखा कि यह एक पक्षीय पारित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

आदेश में यह

- खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जनसंपत्ति एवं प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जन्तु नष्ट हो जाते हैं। जिससे नुकसान होता है।
- खेत की मिट् टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिससे उत्पादन प्रभावित होता है।
- खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- जिले में कई किसान रोटावेटर एवं अन्य साधनों से डंठल खेत से हटा रहे हैं। यह सुविधा जिले में उपलब्ध हो गई है।

जिद छोड़ें ईरान-अमेरिका

ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है। यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी जिद छोड़नी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें हैं। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे।

हालांकि अभी तक तक इन प्रस्तावों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है । पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारे वार्ताएं नाकाम रही हैं और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है, तो शांति को कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

श्रीराम नवमी पर विशेष

प्रेमी जीवों को आत्मानंद प्रदान करने के लिए अवतार ग्रहण करते हैं भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा
स्तंभकार

परमब्रह्म परमात्मा, सच्चिदानन्द स्वरूप, पुराण पुरुषोत्तम भगवान् राम एवं श्रीकृष्ण का इस धरा धाम पर अवतरण आध्यात्मिक जगत् की अद्भुततम, विस्मयकारी, अनिर्वचनीय, अकल्पनीय एवं महानतम घटना है। भगवान् श्री हरि विष्णु अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना हेतु युग-युग में श्रीराम एवं श्रीकृष्ण सहित विविध स्वरुपों में प्रकट होते हैं, किंतु इस धरा धाम पर भगवान का अवतरण केवल आसुरी शक्तियों के विनाश और धर्म स्थापना के लिए ही नहीं होता है, अपितु उनके अवतार धारण करने का मुख्य हेतु अपने प्रेमी भक्तों को अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से आत्मानंद प्रदान करना भी है। अर्थात अपने प्रेमी जीवों को आत्मानंद का दिव्यतम सुख प्रदान करने के निमित्त से भगवान अवतार ग्रहण करते हैं। मनुष्यों में निष्काम भाव की कमी और असत् वस्तु को सत्ता एवं महत्व देने से ही अधर्म बढ़ता है, जिससे मनुष्य दुष्ट स्वभाव वाले हो जाते हैं, इसलिए भगवान् अवतार लेकर आचरण के द्वारा निष्काम भाव प्रसरित करते हैं, और तब स्वतः रुप से धर्म की स्थापना हो जाती है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् कृष्ण अर्जुन को ज्ञान प्रदान करते हुए कहते हैं कि अजोपि सन्नव्ययात्मा भूतानामीश्वरोपि सन। पृकृतिं स्वामधिष्ठाय सम्भवाम्यात्ममायया।।यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहं।। अर्थात भगवान् श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि यद्यपि मैं अजन्मा तथा अविनाशी हूं और समस्त जीवों का स्वामी हूं, तो भी प्रत्येक युग में मैं अपने आदि दिव्य रुप में प्रकट होता हूं। हैं भरतवंशी ! जब-जब भी और जहां भी धर्म का पतन होता है और अधर्म की प्रधानता होने लगती है, तब-तब मैं अवतार लेता हूं। भक्तों का उद्धार करने, दुष्टों का विनाश तथा धर्म की फिर से स्थापना करने के लिए मैं हर युग में प्रकट होता हूं।

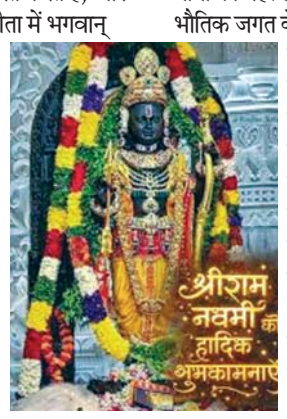

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान की सरल व्याख्या अनुसार जब भी धर्म का ह्रास और अधर्म की वृद्धि होने लगती है, तब भक्तजनों का उद्धार एवं दुष्टों का विनाश कर धर्म की स्थापना हेतु भगवान् युग-युग में प्रकट होते हैं। किंतु गीता में उद्धरित इन वचनों को महात्माओं द्वारा विशिष्ट एवं व्यापक परिप्रेक्ष्य में की गई व्याख्या को देखने पर स्पष्ट होता है कि केवल दुष्टों का विनाश ही भगवान् के अवतार का एक मात्र हेतु नहीं हो सकता। श्रीमद्भगवद्गीता ओर श्रीरामचरितमानस में उल्लेख अनुसार भगवान् कृष्ण और राम, धर्म स्थापना हेतु युग युग में अवतार ग्रहण करते हैं ओर अधर्मियों, आसुरी शक्तियों का संहार कर धर्म राज्य की स्थापना करते हैं, किंतु यह भगवान् का एकमेव लक्ष्य नहीं हो सकता। प्रभु के अवतरण का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अपने प्रियजनों को आत्मानंद प्रदान करना भी है, क्योंकि यदि केवल दैत्यों, दानवों या राक्षसों का विनाश कर धर्म स्थापना ही भगवान् के अवतरण का एक मात्र निमित्त होता, तो उस निमित्त के लिए निर्गुण भगवान् को सगुण रूप धारण करने की आखिर क्या जरूरत हो सकती है? भगवान यदि केवल संकल्प भर कर लें तो क्षणांश में संपूर्ण जगत् की समस्त आसुरी शक्तियां स्वयंमेव समाप्त हो सकती है और तत्क्षण धर्म राज्य की स्थापना हो सकती है। श्रीरामचरितमानस में महात्मा तुलसीदास इन्द्र पुत्र जयंत की कथा का वर्णन करते हुए लिखते हैं कि इन्द्र के पुत्र जयंत के द्वारा जब देवी सीता के चरणों में आघात पहुंचाए जाने पर भगवान राम ने एक तिनका उठाकर उसकी और फैंक दिया था, श्री राम के द्वारा फैंका गया वही तिनका उसके लिए विकराल तीर बन गया, और उस तिनके रुपी तीर से त्रिलोकी में कोई भी दैवीय शक्ति उसकी रक्षा नहीं कर पाई, ओर अंततः भगवान सीताराम के चरणों में समर्पण के बाद वह निर्भय हो सका। निःसंदेह ईश्वर के लिए धर्म स्थापना बच्चों के खेल से अधिक कुछ नहीं हो सकता। वस्तुतः वे अपने प्रेमी जनों को आत्मानंद का सुख प्रदान करने के हेतु से ही सगुण साकार रूप धारण कर इस धरा धाम पर पधारते हैं, और प्रेम की प्यासी जीवात्माओं को प्रेमानंद से परिपूर्ण कर संपूर्ण जगत में प्रेम राज्य की स्थापना करते हैं। भगवान का अवतरण और उनके नाम, रुप, लीला एवं धाम सब दिव्य हैं, जिनका संपूर्ण रुप से वर्णन करने में ब्रह्मा भी स्वयं को अक्षम पाते हैं, ओर वेद नैति नैति कहते हुए मौन हो जाते हैं। उन भगवान् श्री हरि विष्णु का श्रीराम अथवा श्री कृष्ण के रूप में प्राकट्य और उनकी दिव्य लीलाओं का स्मरण हमारी चेतना को उर्ध्वगामी बनाता है और जब हमारी चेतना ऊपर के केंद्रों में स्थित हो जाती है, तब शरीर,आत्मा और इन सबसे अलग परमात्मा के बीच अन्तर भासित होंने लगता है। यही समझ इस भौतिक जगत् से परमात्मतत्व की तरफ यात्रा का महत्वपूर्ण बिंदु है। वैदिक ज्ञान का चरम लक्ष्य भी यही है कि हम भौतिक जगत के बंधनों से स्वयं को मुक्त कर परमात्म-तत्व के अनुसंधान की दिशा में अग्रसर होवें, किंतु ऐसा तभी संभव हो सकता है, जब हम भगवान के परम, दिव्य स्वरूप को समझते हुए समस्त कारणों के परम कारण उन प्रभु की शरण ग्रहण कर संपूर्ण निष्ठा और समर्पित भाव से अनवरत रूप से उनका स्मरण करते हुए भगवान के दिव्यतम प्रेम की प्राप्ति के अधिकारी बन जाएं। महत्वपूर्ण प्रश्न है कि काम, क्रोध, लोभ, मोह में रत हम लोग प्रभु प्रियता आखिर कैसे प्राप्त करें? इस प्रश्न का समाधान करते हुए महात्मा जन कहते हैं कि हम भगवान से अपना कोई भी संबंध बना लें और उनसे प्रेम करते हुए उनके पावन नामों का स्मरण करते रहें। बात जब नाम स्मरण की आती है, तो हमारे मन में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न पैदा हो जाता है कि भगवान के नाम स्मरण की स्थिति को कैसे पाया जा सकता है? उक्त प्रश्न का समाधान करते हुए परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन स्वामी कृपालुजी महाराज द्वारा बताया गया कि वैसे तो भक्ति के नौ पाद हैं, किंतु उनमें प्रमुख हैं, श्रवण, कीर्तन और स्मरण। उनके द्वारा इसे व्याख्यायित करते हुए कहा गया कि सर्वप्रथम प्रभु के नाम या उनकी कथा का श्रवण, फिर कीर्तन के रूप में जो नाम सुना गया है, उसका बारंबार आवर्तन। इस तरह भगवान् के नाम का संकीर्तन, जप जब मन से होना शुरू हो जाता है, तब वह स्मरण हो जाता है, जो कि भक्ति का सारभूत तत्व है। कलिसंतरणोपनिषद के साथ ही जहां हमारे पुराणों में नाम महिमा का वर्णन मिलता है, वहीं नामावतार भगवान् श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु और सिद्ध महायोगी श्रीसीतारामदास ओंकारनाथ महाराज पागल बाबा कहते हैं कि सर्वकाल में जपनीय और स्मरणीय नाम महामंत्र है-

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे।।

वे कहते हैं कि भगवान् के दिव्य नामों का यह महामंत्र मोक्षदायक और सांसारिक कामनाओं को पूर्ण करने वाला साधन अद्वितीय साधन है।

भगवान श्रीकृष्ण प्रेम स्वरूप हैं और अपने प्रेमी भक्त उन्हें अत्यंत प्रिय हैं। चूंकि प्रेम आपस में एक दूसरे को मिलाता है, इसलिए भगवान् उन लोगों पर भी कृपावंत हो जाते हैं जो इस जगत् को मैत्री भाव का संदेश देते हैं। इसके विपरीत प्रभु ऐसे लोगों को अपनी कृपा प्रसादी नहीं प्रदान करते हैं जो मनुष्यों को एक दूसरे से अलग कर देते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विरोध को जीने और प्रतिकार की क्षमता विकसित करने में दक्ष कवियत्री महादेवी वर्मा

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय
स्तंभकार

जब मैने अपने विद्यार्थी-जीवन में महादेवी वर्मा जी से एक भेंटवार्ता की अवधि में मुक्त भाव से संवाद किया था, तब यह पक्ष उद्घाटित हुआ था कि वे स्वयं को प्रत्येक 'बन्धन' की जकड़न से मुक्त रहकर, आकाश में पंख फैलाकर प्रकृति से बतियाते हुए, उन्मुक्त पंछियों की तरह से उड़ान भरते हुए देखना चाहती थीं।

इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आगमन के बाद और क्रॉस्थवेट स्कूल इलाहाबाद में प्रवेश करने के बाद महादेवी जी की साहित्य-साधना अबाध्य गति में चलती रही। 'मां ने सुनी एक करुण कथा' का लगभग सौ छन्दों में वर्णन कर, महादेवी जी ने एक खण्डकाव्य की रचना कर दी थी। सुभद्रा कुमारी चौहान जी से उनकी भेंट उसी विद्यालय में हुई थी। तब महादेवी जी पांचवीं और सुभद्रा जी सातवीं कक्षा में पढ़ती थीं।

मिडिल से पूर्व ही महादेवी जी का ध्यान बाह्य जीवन के दुःख की ओर गया और तभी से उनकी कृति में 'अबला', 'विधवा' आदिक शीर्षक से 'शब्दचित्र' (यहां 'रेखाचित्र' का प्रयोग अनुपयुक्त है।) स्थान पा चुके थे। महादेवी जी छात्रावास में किसी से भी बहुत कम बातें करती थीं। वे गुमसुम बैठीं अपनी रचनाशीलता में लगी रहती थीं। श्रीधर पाठक की पुत्री ललिता पाठक से उनका विशेष लगाव था। स्कूल में उनका जीवन 'बाल भगतिन' जैसा था। वे अपनी इसी प्रवृत्ति के कारण कवि-सम्मेलनों में अधिक भाग नहीं ले पाती थीं। उनकी विद्यापीठ और घर में बाहरी-भीतरी क्षेत्र की सीमाएं बनी रहीं।

इलाहाबाद से प्रकाशित क्रान्तिकारी पत्रिका 'चांद' में वर्ष 1931 से 1934 तक लिखती रहीं, जिनमें से 21 निबन्धों का संकलन नारी की स्थिति, अधिकार, कार्यक्षेत्र, व्यवसाय, समस्याओं तथा समाज में नारी की स्थिति का अमूल्य दस्तावेज है। आगे चलकर, उन्हें 'चांद' पत्रिका-सम्पादन करने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ था। साहित्यिक परिवार में से इलाहाबाद में आने वाले साहित्यकारों के लिए तो उनका निवास 'घर-जैसा' ही था, किन्तु अन्य अतिथियों के लिए उनका द्वार मुक्त रूप से खुला ही रहता था। मैथिलीशरण गुप्त ने कहा था, 'मेरी प्रयाग यात्रा केवल संगम-स्नान से पूरी नहीं होती। उसको सर्वथा सार्थक बनाने के लिए मुझे सरस्वती (महादेवी) के दर्शन के लिए प्रयाग महिला विद्यापीठ जाना पड़ता है। संगम में कुछ फूल-अक्षत चढ़ाना पड़ता है। सरस्वती मन्दिर में कुछ प्रसाद मिलता है। 'साहित्यकार संसद्' हिन्दी के लिए उन्हीं का प्रसाद है। '

उनकी काव्यगंगा प्रवहमान बनी रहे। परिणामस्वरूप 'प्रथम आयाम', 'आत्मिका', 'परिक्रमा', 'संधिनी', 'यामा', 'दीपगीत', 'नीलाम्बरा', 'गीतपर्व' इत्यादिक कृतियां अजस्र गीतधारा के रूप में संलक्षित होती रहीं। जिस भांति भक्तिकालीन मीराबाई ने अपनी भक्ति और अपने समर्पणयुक्त रचनाधर्मिता से हिन्दी-साहित्य में श्रीवृद्धि की थी, उसी भांति महीयसी महादेवी वर्मा ने छायावाद को समृद्ध करने में अपना अमूल्य अवदान किया था। प्रायः यह प्रश्न किया जाता है - महादेवी वर्मा को 'आधुनिक मीराबाई' क्यों कहा जाता है? इसका उत्तर है- चूंकि महादेवी वर्मा की कृतियों में मीराबाई-सदृश भक्ति, प्रेम, समर्पण, आत्मिक पीड़ा, त्याग और साधना का दर्शन होता है। अतः उन्हें 'आधुनिक मीराबाई' कहा जाता है। उन्हें जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पन्त और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के क्रम में छायावाद के चतुर्थ स्तम्भ के रूप में साहित्यिक मान्यता प्राप्त है, जिसके मूल में प्रणय एवं वेदनाभूति, स्थावर-जंगम का एकात्म रूप-भाव, मूल्यचेतना एवं रहस्य से ओतप्रोत उनकी काव्यवस्तु रही है। यदि कोई अध्येता उनकी काव्यकृतियों का परिशीलन करे तो उसे बोध होगा कि महादेवी वर्मा की कृतियों में शब्दनिरूपण, वर्णविन्यास, संगीत-सौन्दर्य एवं उक्ति-भास्वरता का बहुविध निरूपण है। वे चाक्षुष, श्रव्य और स्पर्शिक बिम्बों का वितान तानने मे कुशल हैं।

इलाहाबाद के सभी प्रसिद्ध साहित्यकार उनसे भेंटकर, तत्कालीन काव्य-परिदृश्य पर संवाद अवश्य करते थे। उनसे दिशा-निर्देश की चाह रखते हुए मिलने वाले साहित्यकार-लेखक, कवि-कवयित्री, पत्रकार, समीक्षक आदि उनकी ओर से कभी निराश नहीं होते थे। यही कारण है कि उनका निवास 'साहित्यकार-संसद्' के रूप में विश्रुत और विख्यात रहा। वे भी निराला जी की भांति किसी साहित्यकार का अपमान 'स्वयं' का अपमान समझती थीं। आर्थिक परिस्थिति से विक्षिप्त निराला जी को महल में रखने का उनका स्वप्न 'साहित्यकार-संसद्' निर्माण से पूर्ण हुआ था। यह अलग बात है कि 'साहित्यकार-संसद्' वर्तमान में 'विवाद' का विषय बना हुआ है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसका निर्माण कराया गया था, वह अब पूरी तरह से प्रयागराज (इलाहाबाद) और बाहर के साहित्यकारों को अंगूठा दिखा रहा है। बहरहाल, महीयसी महादेवी वर्मा जी ने अपनी सारस्वत लेखनी से प्रयागराज सहित शेष भारत को जिस कोटि की शब्दधर्मिता का गुण-धर्म दिया है, वह चिर-कालीन स्मरणीय रहेगा। हम महादेवी जी को प्रणाम करते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

पैरों में लगातार जलन-झुनझुनी हो सकती है डायबिटीज-किडनी रोग का संकेत

पैरों में जलन एक आम लक्षण है, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये रोग का संकेत हो सकता है। पैरों में जलन के एहसास को बर्निंग फीट सिंड्रोम कहते हैं। पैरों के तलवों में कई वजहों से जलन हो सकती है जैसे विटामिन बी12 की कमी, हार्मोनल बदलाव, डायबिटीज या किडनी के रोग। सही कारण जानकर इसका उचित इलाज किया जा सकता है। इस लेख में हम पैरों में जलन के कारण, लक्षण और बचने के उपाय बता रहे हैं। पैरों में लंबे समय जलन बरकरार रहे तो ये किसी रोग का संकेत हो सकता है। बढ़ा हुआ शुगर लेवल छोटी नसों (पेरिफेरल न्यूरोपैथी) को नुकसान पहुंचाता है, जिससे पैरों में जलन, झुनझुनी या सुई चुभने जैसा अनुभव हो सकता है। इसके अलावा क्रोनिक किडनी डिजीज से पीड़ित लोगों के शरीर में विषाक्त पदार्थों का जमाव नसों को उत्तेजित कर पैरों में जलन पैदा कर सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत जांच कराना जरूरी है। शरीर में विटामिन बी12 (और अन्य बी विटामिन) की कमी का असर नसों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। इससे नसों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और पैरों में जलन, सुन्नपन या झुनझुनी की तकलीफ होने लगती है। थायरॉइड हार्मोन का स्तर कम होने से नर्व कंडक्शन धीमा हो जाता है, जिससे पैरों में जलन की समस्या हो सकती है। रक्त प्रवाह कम होने से भी नसों और टिशू को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते। इससे बेचैनी, भारीपन या पैरों में जलन महसूस हो सकती है।

अधिक शराब पीना, दवाइयों का सेवन और नर्व डैमेज होने की स्थिति में भी पैरों में जलन, झुनझुनी या सुन्न होने जैसी असामान्य संवेदनाएं हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में रोग का इलाज करने से पैरों में जलन होना बंद हो जाता है। रोगों के अलावा खराब लाइफस्टाइल के कारण भी पैरों में जलन हो सकती है। इनमे टाइट या खराब फिटिंग वाले जूते, लंबे समय तक खड़े रहना, पैरों के तालुवों में अत्यधिक पसीना और फंगल इन्फेक्शन शामिल हैं।

समस्या का कारण जानें: समस्या से बचने के लिए सबसे पहले उसका कारण जानें। डायबिटीज के रोगी शुगर लेवल कंट्रोल करके इस समस्या से राहत पा सकते हैं। विटामिन की कमी दूर करने के लिए हेल्दी डाइट लें। थायराइड के रोगी नियमित दवा लें, ताकि थायराइड को कंट्रोल किया जा सके। इससे पैरों में जलन की तकलीफ से राहत मिलेगी। ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान दें। सही उपचार से पैरों में जलन की समस्या से बचा जा सकता है। अगर लगातार समस्या बढ़ती जा रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। ये गंभीर रोग के संकेत हो सकते हैं। तुरंत जांच कराना जरूरी है।

सुविचार

महान आशाएं महान व्यक्तियों का निर्माण करती हैं।

-अज्ञात

निशाना

युद्ध भरे आकाश में..!

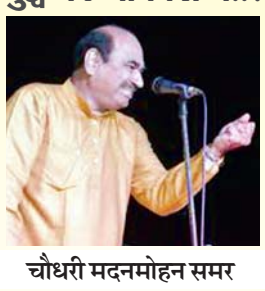

चौधरी मदनमोहन समर

ग्रहण होलिका पर लगा, क्या कहते नक्षत्र।
अपशगुनों से मुक्त हो, सुख व्यापे सर्वत्र।
युद्ध भरे आकाश में, धरती लहूलुहान।
बच्चों पर बमबारियां, बूढ़े सब हैरान।
इस होली पर हों दहन, गोले, असला, तोप।
रंग खेलने संग हों, पंडित, मुल्ला, पोप।
होली अमृत तुल्य है, इसमें बसी मिठास।
सदा बांटती ही रही, अपनी मलय सुवास।
रोज़े रंगों में रचें, रंग करें इफ्तार।
एक-दूसरे का करें, मिल आदर-सत्कार।
ऐसे रंग न फैंकिए, जो कर दें बदरंग।
उत्सव के उल्लास में, जलने लगें न अंग।
बैठी जहां उदासियां, पसरा है अवसाद।
होली पर जा दीजिए, अपनापन विश्वास।
गांव शहर कस्बे सभी, सारे घर-परिवार।
रंगारंग मनाइए, होली का त्यौहार।
है इतनी शुभकामना, बनी रहे मुस्कान।
दुनिया का सिरमौर हो, अपना हिंदुस्तान।

AI अपडेट

एंथ्रोपिक का नया अध्ययन : जिन्हें खतरा था वो फायदे में, नहीं सीखने वाले रह जाएंगे पीछे

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर जितने मुंह उतनी बातें। लेकिन एक निचोड़ यही निकलता है कि AI को सीख लेने में ही भलाई है। अब AI कंपनी एन्थ्रोपिक के अध्ययन ने भी इस पर मुहर लगाई है। यह बताता है कि जिन लोगों को AI से सबसे अधिक खतरा था जैसे- IT प्रोफेशनल्स, डेटा साइंटिस्ट और राइटर्स, वही इसका सबसे अधिक फायदा उठा रहे हैं। ये लोग AI को अपना 'दोस्त' बनाकर स्किल्स बढ़ा रहे हैं। अध्ययन में स्किल गैप की भी बात है। यह कहता है कि जो आज AI को नहीं सीख रहे, उनके पिछड़ने का डर है। यानी भविष्य में मुकाबला 'इंसान और AI में नहीं, 'AI जानने वाले और AI ना जानने वालों' के बीच हो सकता है। अध्ययन में भारत को लेकर भी खास बाते हैं।

एन्थ्रोपिक 'इकोनॉमिक इंडेक्स' रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं। AI टूल्स को सीख चुके यूजर्स अधिक प्रभावी तरीके से अपना काम कर पाते हैं। AI टूल्स सीखने के बाद लोग उसे अपने मददगार के तौर पर देखते हैं। एआई को अधिक मुश्किल काम दिए जाते हैं और उन्हें पूरा कराया जाता है। लगातार एआई का इस्तेमाल करने से यूजर की टूल्स को मैक्सिमम यूज करने की क्षमता में सुधार होता है।

NDTV की रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन में कहा गया है कि एआई को शुरुआती दौर में अपनाने वाले कुशल और तकनीकी पेशेवर हैं यानी जिन्हें टेक्नोलॉजी की अच्छी समझ है। इसी ग्रुप को लेकर इकॉनमिस्ट ने अंदेशा जताया था कि एआई उनके काम को खत्म कर देगा। अब यही वर्ग एआई को अपनाकर सबसे ज्यादा फायदे में है। अध्ययन में इसी स्किल गैप की बात की गई है। कहा गया है कि जो लोग AI को जानते हैं वो तरक्की कर रहे हैं, जबकि बाकी पीछे छूट सकते हैं।

इस अध्ययन में भारत को लेकर दो प्रमुख बातें हैं और दोनों में विरोधाभास झलकता है। दुनिया के 116 देशों में भारत को 98वें नंबर पर रखा गया है एआई रैंकिंग में। इसका मतलब है कि देश में अभी कम लोग एआई का इस्तेमाकर रहे हैं। हालांकि अध्ययन यह भी कहता है कि जो भारतीय इसे इस्तेमाल कर रहे हैं वह दुनिया के बाकी लोगों से कहीं स्मार्ट हैं। उदाहरण के लिए- वेब डेवलपमेंट से कोडिंग तक भारतीय, दुनिया के बाकी लोगों से अधिक एआई की मदद ले रहे हैं।

दुनियाभर के एक्सपर्ट यह कह रहे हैं कि एआई हमारा काम नहीं छीनेगा बल्कि हमारे काम में मददगार बनेगा। यह कुछ क्षेत्रों को खत्म करेगा तो नए अवसर भी पैदा होंगे। सवाल है कि जो आज एआई नहीं सीख रहा, क्या कल वह किसी काम का नहीं रहेगा?

अजब - गजब

महिला ने सैनिटरी पैड में छिपा रखी थी लाखों की ड्रग्स, एयरपोर्ट पर पकड़ी गई

तस्करी के नए-नए और हैरान करने वाले तरीके अक्सर सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा देते हैं, लेकिन चौकस निगाहों से बचना इतना आसान नहीं होता। इथियोपिया की राजधानी एडिस अबाबा के बोले इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों ने एक ऐसी ही महिला को धर दबोचा , जिसने ड्रग्स छिपाने के लिए अजीब तरीका अपनाया था। इस महिला यात्री ने अपने सैनिटरी पैड के अंदर करीब 500 ग्राम कोकीन छिपा रखी थी, जिसकी कीमत लाखों में है। नेशनल इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी सर्विस की सतर्कता की वजह से इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ हुआ और करोड़ों रुपये की कोकीन जब्त कर ली गई। सुरक्षा जांच के दौरान जब महिला की तलाशी ली गई, तो पैड के अंदर छिपाया गया सफेद पाउडर देखकर अधिकारी भी दंग रह गए।

पकड़ी गई महिला की पहचान युगांडा की नागरिक मुकिसा सेटेला के रूप में हुई। जांच में पता चला कि वह मलावी के लिलोंग्वे से उड़ान भरकर एडिस अबाबा पहुंची थी और वहां से उसे फिलीपींस की राजधानी मनीला के लिए रवाना होना था। बोले इंटरनेशनल एयरपोर्ट अफ्रीका का एक प्रमुख ट्रांजिट हब है, जिसका फायदा उठाकर तस्कर अक्सर ड्रग्स की हेराफेरी करने की कोशिश करते हैं। महिला को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और नशीले पदार्थों की इस बड़ी खेप को अपने कब्जे में ले लिया गया। आरोपी महिला मुकिसा सेटेला को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए इथियोपिया की संघीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

अब इस मामले की जांच एक हाई-रिस्क नारकोटिक्स कंट्रोल और क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है, जो यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस तस्करी के पीछे और कौन-कौन से बड़े गिरोह शामिल हैं। अधिकारियों ने यह भी खुलासा किया कि इसी एयरपोर्ट पर पिछले हफ्ते भी करीब 4 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई थ। यह दिखाता है कि अंतरराष्ट्रीय तस्कर एडिस अबाबा को एक सुरक्षित रास्ते के तौर पर इस्तेमाल करने की फिराक में हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां भी अब पूरी तरह मुस्तैद हैं। बोले इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बढ़ती तस्करी की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को पहले से कहीं ज्यादा सख्त कर दिया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि तस्कर अब ऐसे तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जहां तलाशी लेना थोड़ा असहज होता है, लेकिन तकनीक और अनुभव की मदद से ऐसे अपराधियों को पकड़ना मुमकिन है।

न्यूज विंडो

पेट्रोल और डीजल की किल्लत की अफवाह, पंपों पर लगी कतार

सिरोंज। शहर के पेट्रोल पंपों पर बुधवार को दिनभर वाहन चालकों की लंबी लाइन लगी दिखाई दी। अमेरिका - ईरान युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत की अफवाह क्षेत्र में लगातार बनी हुई है। इस कारण कभी भी अचालक पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ लगने लगती है। बुधवार को भी शहर में अचानक ऐसी स्थिति बनी। दोपहर से पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों को कतार बढ़ने लगी। लिंक रोड स्थित पेट्रोल पम्प पर शाम को डीजल के लिए 100 से अधिक केनो की कतार लगी दिखाई दी। ऐसी ही कतार दोपहिया वाहन चालकों की भी लगी थी। रिलायंस पेट्रोल पंप संचालक संजय भार्गव ने बताया कि जो लोग 200 का पेट्रोल भरवाते थे। अब वे फुल टैंक करवा कर ले जा रहे है। वहीं किसान भी अगली फसल की तैयारी को लेकर उत्सुक है। हालांकि पेट्रोल और डीजल लगातार पर्याप्त मात्रा में आ रहा है। ऊपर से कोई संकट भी नहीं है।

विश्व शांति के लिए पांच कुंडीय गायत्री यज्ञ, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

गंजबासौदा। गायत्री परिवार शाखा द्वारा गायत्री यज्ञ की श्रृंखला चलाई जा रही है, जिसके अंतर्गत एक पांच कुण्डीय गायत्री यज्ञ कुरवाई तहसील स्थित गांव खजुरिया जागीर में किया गया। उसी श्रंखला में आज दूसरा यज्ञ साकेतनगर मुद्दल बाली गली में मधु राकेश पांडे के मुख्य यजमान के सानिध्य में किया गया। जिसमें विश्व शांति की भावना से बहुत सारी आहुति गायत्री मंत्र और अन्य वैदिक मंत्रों की डाली गई। इस अवसर पर त्योंदा, कुरबाई के कार्यकर्ता भी उपस्थित हुए। जिला समन्वयक मुकेश तिवारी ने जिले की कार्य योजना बताई और कहा कि इस साल पूरे जिले में पांच कुण्डीय यज्ञ सम्पन्न करना है। हर तहसील में आठ यज्ञ करना है। सभी कार्यकर्ता इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए कमर कस लें, और गुरु देव के सपने मनुष्यों में देवत्व और पृथ्वी पर स्वर्ग लाने हेतु उनके दिखाये हुए मार्ग पर चलें। आपस के भेद भाव खत्म कर धर्म रक्षा हेतु संगठित हों। इस अवसर पर तहसील समन्वयक श्याम सुंदर माथुर, प्रज्ञा पीठ अध्यक्ष पूनम तिवारी, ट्रस्टी संगीता शर्मा, सुनीता माथुर, हेमलता कुशवाह, सूरज सिंह परिहार, श्याम रघुवंशी, जयराम अहिरवार मौजूद थे। यज्ञ का संचालन वसंत पाण्डेय परिव्राजक ने किया।

गौरा में 108 कुंडीय श्री राम यज्ञ में सांसद दर्शन सिंह चौधरी हुए शामिल

नर्मदापुरम। बाबई के समीप ग्राम गौरा में पूज्य रोटी बाबा के सानिध्य में आयोजित 108 कुंडी श्री राम यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार को होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शनसिंह चौधरी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर सांसद चौधरी ने विधिवत पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि रामनवमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है, जो समाज को जोड़ने और सद्भावना को सशक्त करने का कार्य करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे प्रतिदिन अपने घरों में रामायण एवं गीता का पाठ करें। इस अवसर पर भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान सदस्य श्री नीतिराज सिंह पटेल, महेंद्र यादव, लक्ष्मण वैस, रोहित गौर, अनिल चौबे सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मुख्य नपा अधिकारी ने किया जनसुनवाई में शिकायतों का किया निराकरण

नर्मदापुरम। प्रति गुरूवार को होने वाली जनसुनवाई में आज मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा सुनवाई की गई। जनसुनवाई में नाली सफाई, सफाई, पीएम आवास स्वीकृत, अतिक्रमण हटाने तथा राशन कार्ड समर्पण संबंधी आवेदन आए हुए थे। आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। जिससे नागरिकों को सीधा फायदा हो रहा है। नागरिक बिना हिचकिचाए अपनी समस्याएं लेकर आते हैं और त्वरित समाधान पाते हैं। साथ ही जो समस्याएं जांच योग्य होती है उनको संबंधित शाखा में भेज दिया जाता है।

नवरात्र: देर शाम महामाई मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

चंदन है इस देश की माटी.... जैसे गीतों की मनमोहक प्रस्तुति पर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

देर शाम महामाई मंदिर परिसर में 'राष्ट्र सर्वोपरि, संघ और सनातन संस्कृति' पर आधारित एक भव्य संगीतमयी प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार मोहित शेवानी एवं उनकी टीम ने संघ के उदय से लेकर उसके 100 वर्ष पूर्ण होने तक के गौरवशाली सफर को गीतों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री महामाईमाता, श्री भारत माता, प्रथम सरसंघ संचालक प.पू.डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार , द्वितीय सरसंघ संचालक प.पू. माधव सदाशिवराव गोलवलकर गुरूजी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात श्री महामाई सेवा समिति द्वारा कलाकारों को उत्तरीय उड़ाकर स्वागत किया गया और संगीतमयी यात्रा का शुभारंभ हुआ।

इस प्रस्तुति में वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर आज तक के संघर्ष, विस्तार और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान को जीवंत रूप में दर्शाया गया। कलाकारों ने बताया कि कैसे संघ एक वटवृक्ष की भाँति अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए निरंतर सनातन संस्कृति और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को समाज में सुदृढ़ कर रहा है, और इसके स्वयंसेवक आज भी समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत 'चरैवेति-चरैवेति यही तो मंत्र है अपना' जैसे प्रेरणादायक गीत से हुई, जिसने श्रोताओं में ऊर्जा का संचार किया। इसके बाद 'चंदन है इस देश की माटी ', 'जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया ', 'मेरा रंग दे बसंती चोला ', 'यह देश है वीर जवानों का, 'उठो जवानों, देश की वसुंधरा पुकारती' एवं वंदेमातरम, जैसे देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। हर गीत पर उपस्थित जनसमुदाय मंत्रमुग्ध होकर झूमता नजर आया।

आतिशबाजी और विशाल भंडारे का आयोजन कल

कार्यक्रम का समापन 'मेरे राम आएंगे' जैसे भावपूर्ण गीत के साथ हुआ, जिसने पूरे परिसर को भक्ति और आस्था के वातावरण में सराबोर कर दिया। देर रात तक चले इस आयोजन ने उपस्थित सभी लोगों के मन में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक भावनाओं को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया, इस अवसर पर महामाई सेवा समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। शनिवार को होगा विशाल भंडारा महामाई मंदिर पर चल रहे विद्या शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति महाआरती के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन शनिवार को होगी। साथ ही दिन में रासलीला में फूलों की होली ओर रात्रि में रावण दहन व भव्य आतिशबाजी के साथ ही रामलीला का समापन होगा। महामाई सेवा समिति ने सभी सनातनधर्मीयों से महाआरती और भंडारे में समिल्लित होने की अपील की है।

बेरोजगार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने जितेन्द्रसिंह बघेल

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार तथा संगठन मंत्री संजय कामले की सहमति से, बेरोजगार प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नेहा पालीवाल ने सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह बघेल को बेरोजगार प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहित रघुवंशी जी की अनुशंसा पर की गई है। जितेंद्र सिंह बघेल की यह नियुक्ति उनके संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता और जनसेवा में निरंतर योगदान को देखते हुए की गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

गेहूं खरीदी 4000 करने और ऋण अदायगी की तिथि बढ़ाने की मांग

ओबैदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

किसान कांग्रेस के तत्वावधान में चिकलोद कलाँ ब्लॉक काँग्रेस के किसानों ने अपनी ज्वलंत समस्याओं और मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गौहरगंज को सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष उमेर खान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से शासन के समक्ष रखा।

किसानों ने अपनी 8 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से सोसायटी में ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च से बढ़ाकर 31 मई करने की मांग की है, ताकि किसानों को ब्याज लाभ मिल सके। इसके साथ ही, गेहूं की खरीदी 4000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने और ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा व बीमा राशि देने की मांग उठाई गई है। ज्ञापन में बिजली विभाग द्वारा की जा रही 'अवैध वसूली' और गांव के ट्रांसफार्मर काटे जाने पर भी कड़ा विरोध जताया गया। किसानों का कहना है कि फसल आने के बाद ही बिजली बिल का भुगतान लिया जाए और मूंग की बोनी हेतु पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, गैस सिलेंडर के दामों में की गई 60 रुपये की वृद्धि वापस लेने की मांग भी की गई।

इस अवसर पर उमेर खान (ब्लॉक अध्यक्ष), राजू पटेल, नीलेश सरयाम, मोहन पटेल, विष्णु माहेश्वरी, कामता पाल, सलमान खान, भारत सरयाम, मुकेश मीणा, हीरालाल पटेल, भागमल पाल, बद्री सेन, अभिषेक राजपूत, अवध शर्मा और फूल सिंह सहित क्षेत्र के अनेक कृषक उपस्थित रहे।

गौहरगंज तहसीलदार हेमन्त शर्मा ने बताया कि ब्लॉक किसान कांग्रेस के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम आज ज्ञापन दिया गया है इसमें सोसाइटी कर्ज अदायगी की तारीख बढ़ाने बिजली कटौती से संबंधित समस्याएं और 4000 प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने की मांग सम्मिलित है जिसे विधिपूर्वक मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा ।

चिकलोद काँग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उमेर खान ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार कार्यालय में ज्ञापन सोपा गया है जिसमें सोसायटी कर्ज द्वारा वसूली जा रही कर्ज की रकम अदायगी की तारीख बढ़ाकर मई तक की जाए ग्रामीण फीडर से बिजली की कटौती न की जाए भीषण गर्मी को देखते हुए और प्रति क्विंटल 4000 से किसानों का गेहूं खरीदा जाए इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है ।

जिला प्रशासन ने पकड़े अवैध एलपीजी सिलेंडरों के भंडारण

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध एलपीजी गैस सिलेंडरों के भंडारण और उपयोग के खिलाफ जिला प्रशासन ने जांच अभियान चलाया। जिसके तहत तहसीलदार बरही संतोष कुमार श्रीवास्तव और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी यज्ञ दत्त त्रिपाठी के नेतृत्व में एक टीम ने कमानिया गेट के पास पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में स्थित होटलों का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान, टीम को होटल गीतांजलि में पांच व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपयोग में मिले। होटल प्रबंधक केवल दो सिलेंडरों के वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सका। शेष तीन (19 किलोग्राम भार वर्ग) सिलेंडरों के संबंध में कोई दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

जिला प्रभारी जनगणना नर्मदापुरम ने प्रशिक्षण का किया फील्ड निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला प्रभारी जनगणना के निर्देशन में जनगणना कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, अतिरिक्त जनगणना अधिकारी एवं कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी एवं जनगणना लिपिक सुनील राठौर द्वारा फील्ड ट्रेनरों एवं जनगणनाकारों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी एवं नपा कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगरपालिका का अमला मकान गणना एवं जनगणना के कार्य में जुटा हुआ है। गुरूवार को नगर के वार्ड क्रमांक 15 निर्मला हंस राय के वार्ड में जिला प्रभारी जनगणना नर्मदापुरम आयुषी यादव द्वारा जनगणना से पूर्व मास्टर ट्रेनर्स को दिए जा रहे प्रशिक्षण के दौरान फील्ड विजिट की गई। साथ ही मास्टर ट्रेनर्स को ऑन द स्पॉट एप संबंधी जानकारी दी गई है।

सोनी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान जनगणना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिसमें मकान सूचीकरण, परिवार विवरण संकलन, डिजिटल एप्लीकेशन का उपयोग तथा डेटा की शुद्धता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश शामिल रहे। अधिकारियों द्वारा यह भी बताया गया कि जनगणना कार्य पूर्णत-पारदर्शी एवं सटीक होना चाहिए, जिससे शासन को योजनाओं के निर्माण में सही आंकड़े प्राप्त हो सकें।

प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित सभी फील्ड ट्रेनरों एवं जनगणनाकारों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। जिला प्रभारी जनगणना आयुषी यादव द्वारा सभी संबंधितों को निर्देशित किया गया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें।

मेट्रो एंकर श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया नवदुर्गा पर्व

शीतला शक्तिधाम पर पूजन करने उमड़े श्रद्धालु

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में नवदुर्गा पर्व बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। नौ दिनों तक माता रानी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की गई और मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा।

नवदुर्गा के अंतिम दिन आज महानवमी पर शीतला शक्तिधाम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने माता का विधि-विधान से पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान कन्या पूजन, हवन और विशेष आरती का आयोजन भी किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था और पूरे दिन भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर समिति द्वारा कन्यभोज और श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि नवदुर्गा पर्व हर वर्ष की तरह इस बार भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन को लगी भीड़

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रामनवमी पर्व पर शुक्रवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। वैष्णव तिलक, रजत मुकुट और आभूषण अर्पित कर भगवान को राम स्वरूप में सजाया गया।

सभा मंडप में वीरभद्र जी के समीप स्वस्ति वाचन के बाद घंटी बजाकर चांदी का द्वार खोला गया। इसके बाद गर्भगृह के पट खोलकर पूजन की प्रक्रिया शुरू की गई। नंदी हाल में नंदी जी का स्नान, ध्यान और पूजन किया गया। इसके बाद भगवान महाकाल का विधिवत अभिषेक किया गया। पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार उतारकर जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन कर कर्पूर आरती की गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी.... थाने में सौंपा आवेदन निष्पक्ष जांच की मांग

नालछा जनपद पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव पर हाईकोर्ट की रोक

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की पर्यटन नगरी मांडू के नालछा क्षेत्र में जनपद की सरकार को लेकर भाजपा व कांग्रेस में खींचतान चल रही थी, पिछले कुछ दिनों से भाजपा से जुड़े नेता अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में कांग्रेस नेता हाईकोर्ट की शरण में पहुंचे, जहां पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ द्वारा प्रशासनिक कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है।

न्यायालय के आदेश के बाद नालछा एवं आसपास के क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर और पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने इसे न्याय और लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के अधिकारों की रक्षा हुई है। उनका आरोप है कि अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया जल्दबाजी और नियमों के विरुद्ध की गई थी, जिस पर न्यायालय ने रोक लगाकर उचित निर्णय दिया है। इसी बीच, क्षेत्र में सामने आए कथित अपहरण प्रकरण को लेकर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कड़ा रुख अपनाया है। कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर इस मामले में कुछ निर्दोष लोगों को जानबूझकर फंसाए जाने का आरोप लगाया है। आवेदन में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, उनका इस घटना से कोई संबंध नहीं है और उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और गहन जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और बेगुनाह लोगों को न्याय मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि आरोप झूठे पाए जाते हैं, तो गलत जानकारी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दरअसल 18 मार्च 2026 को जारी विवादित सूचना के आधार पर सभी आगामी कार्यवाहियों पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं और मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। फिलहाल, एक ओर जहां कांग्रेस समर्थकों में खुशी का माहौल है, वहीं दूसरी ओर अपहरण मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा और हलचल बनी हुई है।

न्यूज विंडो

सड़क पार कर रही बच्ची को बाइक सवार ने ठोका, अस्पताल में मौत

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 4 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बच्ची ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार जैतपुर थाना क्षेत्र के फॉरेस्ट ऑफिस के पास रहने वाली चार वर्षीय सनाया खान पिता महबूब खान अपने घर से निकलकर सड़क पार कर दूसरी ओर स्थित अपने दादा के घर जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात बाइक ने बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्ची सड़क पर दूर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद बाइक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसा होते देख आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल बच्ची को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने बच्ची की हालत गंभीर देखते हुए उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, लेकिन मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही जैतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी जैतपुर जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि सनाया खान अपने घर से सड़क पार कर रही थी तभी अज्ञात तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। परिजन उसे इलाज के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिनके आधार पर अज्ञात बाइक और चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

माता रानी के दर्शनों के साथ श्रद्धा के साथ मनाई अष्टमी, निकलेंगे जवारे

तेंदूखेड़ा। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टमी तिथि श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस वर्ष नवरात्रि में किसी भी तिथि का क्षय न होने के कारण पूरे नौ दिनों तक पर्व मनाया जा रहा है, जिसके चलते अष्टमी गुरुवार को पड़ी। अष्टमी का विशेष धार्मिक महत्व होने के कारण क्षेत्र में भक्ति का वातावरण बना रहा। पंडित बलराम शास्त्री के अनुसार नवरात्रि के आठवें दिन को दुर्गाष्टमी कहा जाता है, जो मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी को समर्पित होता है। इस दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। अष्टमी के अवसर पर नगर के प्रमुख मंदिरों–पुरानी खेर माता, बड़ी खेरमाई महाकाली मंदिर, ज्वाला देवी मंदिर तथा विद्यानगर स्थित शारदा मंदिर–में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। अष्टमी के दिन घर-घर में भी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। लोगों ने अपनी कुलदेवी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर माथा टेकते नजर आए। कई घरों में कन्या पूजन का आयोजन किया गया, जहां छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। कुछ श्रद्धालुओं ने अष्टमी के दिन ही व्रत पारण किया, जबकि कई लोग राम नवमी के दिन व्रत पूर्ण करेंगे। इसी कड़ी में शुक्रवार को रामनवमी का पर्व नगर में भव्यता और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके इसके लिए नगर एवं क्षेत्र में विशेष रूप से तैयारी चल रही हैं विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजन, हवन, भजन-कीर्तन एवं प्रसादी वितरण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालु बड़ी संख्या में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव में शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित करेंगे। आयोजकों द्वारा नगर में आकर्षक सजावट और धार्मिक कार्यक्रमों की व्यापक तैयारियां की गई हैं, जिससे पूरे नगर में उत्सव का माहौल बना हुआ है। आज जवारे भी निकलेंगे

सोशल मीडिया अफवाहों का असर: पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़, प्रशासन अलर्ट

पेट्रोल-डीजल की अफवाह से मचा हड़कंप पंपों पर लगी रहीं वाहनों की लंबी कतारें

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर क्षेत्र सहित समनापुर, सांगा , झलौन क्षेत्र के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर बुधवार को एवं गुरुवार की सुबह अचानक पेट्रोल एवं डीजल लेने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान दोपहिया, चारपहिया, ट्रैक्टर , बड़े वाहनों, एवं बड़े-बड़े कुप्पो को लेकर लोग पेट्रोल पंप पहुंचे जहां पर पेट्रोल डीजल लेने के लिए लंबी कतारें रही। भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल तथा नायरा पेट्रोल पंप सहित क्षेत्र के प्रमुख पेट्रोल पंपों पर स्थिति कुछ समय के लिए अव्यवस्थित हो गई, जिसे नियंत्रित करने हेतु प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप करना पड़ा। भीड़ अधिक होने के कारण पुलिस , राजस्व विभाग तहसीलदार, नायब तहसीलदार ,आर आई, पटवारियों तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचकर व्यवस्था बनाने में जुट गए।

झलौन स्थित भारत पेट्रोलियम, ग्राम समनापुर एवं ग्राम सांगा में स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंपो में पेट्रोल एवं डीजल दोनों पर्याप्त मात्रा में है दोनों जगह शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही पेट्रोल, डीजल दिया जा रहा है नगर तेंदूखेड़ा में स्थित तीनों पेट्रोल पंपो पर भी आम नागरिकों की भारी भीड़ रही। प्रारंभिक तौर पर सामने आया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक एवं व्हाट्सएप पर पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर फैली अफवाहों के कारण लोगों में घबराहट की स्थिति उत्पन्न हुई, जिसके चलते लोग बड़ी मात्रा में ईंधन संग्रह करने के उद्देश्य से पेट्रोल पंपों पर पहुंचने लगे। झलौन मै स्थिति को नियंत्रित करने हेतु तहसीलदार विवेक व्यास एवं पटवारी मौके पर पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तहसीलदार द्वारा निर्देशित किया गया कि पेट्रोल एवं डीजल का वितरण सुव्यवस्थित तरीके से किया जाए। इसके तहत पेट्रोल के लिए 5 लीटर तक कूपन व्यवस्था लागू करने तथा डीजल के लिए निर्धारित सीमा के अनुसार वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, ड्रम, गैलन अथवा अन्य अनधिकृत कंटेनरों में पेट्रोल देने पर रोक लगाई गई, ताकि अनावश्यक भंडारण को रोका जा सके। तहसीलदार विवेक व्यास ने बताया कि क्षेत्र में पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जबकि कुछ पेट्रोल पंपों पर डीजल की अस्थायी कमी देखी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुधवार को अचानक मांग बढ़ने के कारण कुछ स्थानों पर आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन गुरुवार को प्रशासन द्वारा स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। वर्तमान में किसी प्रकार की घबराने वाली स्थिति नहीं है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पूरे क्षेत्र में कुल 10 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जिनमें से लगभग 5 पंपों पर डीजल अस्थायी रूप से समाप्त हुआ है, जबकि पेट्रोल सभी स्थानों पर उपलब्ध है। प्रशासन द्वारा पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे नियमित आपूर्ति बनाए रखें और किसी भी प्रकार की कृत्रिम कमी उत्पन्न न होने दें। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पेट्रोल-डीजल का भंडारण न करें। पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की गई है ताकि व्यवस्था सामान्य बनी रहे और सभी को आवश्यकतानुसार ईंधन उपलब्ध हो सके

सुसाइड वीडियो मिला, पत्नी और साथी पर पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

बिना बताए पत्नी ने की थी दूसरी शादी, मांगे दो लाख रुपए, तंग आकर पति ने लगाई थी फांसी

धामनोद। दोपहर मेट्रो

पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम मेहगांव में एक 35 वर्षीय युवक द्वारा घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपने मोबाइल में एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी पत्नी और उसके कथित दूसरे पति पर मानसिक प्रताड़ना और पैसों की मांग करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद मृतक की पत्नी और उसके साथी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जितेन्द्र (35), पिता अम्बाराम कोगे, निवासी ग्राम मेहगांव के रूप में हुई है। जितेन्द्र ने तीन-चार साल पहले लक्ष्मी नामक महिला से नातरा प्रथा के तहत विवाह किया था। परिजनों के बयानों के अनुसार, वर्ष 2024 में दोनों मजदूरी के लिए गुजरात गए थे, जहां से लक्ष्मी बिना बताए कहीं चली गई। काफी तलाश करने पर पता चला कि लक्ष्मी ने संतोष पिता गेन्दालाल भालसे, निवासी ग्राम मरदाना खरगोन से शादी कर ली है।

मृतक के पिता अम्बाराम और भाई बलराम ने पुलिस को बताया कि जितेन्द्र इस बात से बहुत परेशान थावह और उसका ससुर लक्ष्मी को लेने गए थे, लेकिन उसने आने से मना कर दिया था। घटना से दो दिन पूर्व लक्ष्मी अचानक जितेन्द्र के घर मेहगांव आई और साथ रहने के बदले उससे दो लाख रुपये की मांग करने लगी। परिजनों का आरोप है कि लक्ष्मी ने जितेन्द्र को मानसिक रूप से काफी प्रताड़ित किया और फिर बिना बताए वापस चली गई। इसी प्रताड़ना से तंग आकर जितेन्द्र ने घर में छत के पंखे से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। जांच के दौरान पुलिस को मृतक की जेब से एक मोबाइल मिला, जिसमें जितेन्द्र का मरने से पहले बनाया गया एक वीडियो रिकॉर्डेड है। वीडियो में जितेन्द्र ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसकी पत्नी लक्ष्मी ने उसकी सहमति या तलाक के बिना संतोष भालसे से दूसरी शादी कर ली है उसने लक्ष्मी और संतोष पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह इसी वजह से आत्महत्या कर रहा है। मोबाइल में मिले वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी लक्ष्मीबाई निवासी मेहगांव और संतोष, पिता गेन्दालाल भालसे निवासी मरदाना के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पत्नी का आरोप- नोटिस के दबाव में प्रभारी प्रबंधक की मौत

65 की उम्र के बाद भी नहीं किया रिटायर, 12.63 लाख जमा करने के नोटिस से सदमे में गई जान

तीन अधिकारियों पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के तिरला क्षेत्र से सहकारिता विभाग प्रभारी प्रबंधक अशोक पाटीदार की मौत के बाद विभाग के तीन अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। मृतक की पत्नी जानीबाई पाटीदार ने

तिरला थाने में आवेदन देकर जिला उपायुक्त सहकारिता, सोसायटी प्रशासक और जिला सहकारी बैंक प्रबंधक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि अशोक पाटीदार को 65 वर्ष की उम्र पार करने के बावजूद सेवानिवृत्त नहीं किया गया। इसके बाद उन पर 12.63 लाख रुपए जमा करने का नोटिस देकर मानसिक दबाव बनाया गया जिससे वे सदमे में आ गए और 15 मार्च की रात उनकी मौत हो गई।

यह है पूरा मामला: तिरला स्थित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या में अशोक पाटीदार प्रभारी प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। पत्नी का आरोप है कि सोसायटी प्रशासक, जिला सहकारी बैंक प्रबंधक और सहकारिता विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से उन्हें उम्र सीमा के बाद भी नौकरी में बनाए रखा गया।बताया गया कि शासन के नियमों के अनुसार 62 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्ति अनिवार्य है, जबकि अशोक पाटीदार 65 वर्ष की उम्र तक पद पर बने रहे।

नोटिस के बाद बढ़ा तनाव

मृतक की पत्नी के अनुसार, 12 मार्च 2026 को जिला सहकारी बैंक धार द्वारा 12,63,526 रुपए तीन दिन में जमा करने का नोटिस दिया गया। नोटिस में अनियमितता और राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए पुलिस कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। परिजनों का कहना है कि इस नोटिस और आरोपों से अशोक पाटीदार गहरे तनाव में आ गए थे। जानीबाई पाटीदार ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जानबूझकर रिटायरमेंट नहीं दिया। रिकॉर्ड में अनैतिक कार्य करवाकर आर्थिक शोषण किया गया। नोटिस देकर मानसिक दबाव बनाया गया उन्होंने कहा कि उनके पति का पूरा सेवा काल बेदाग रहा और इसी का फायदा उठाकर उन्हें प्रताड़ित किया गया। मृतक की पत्नी ने तिरला थाने में आवेदन देकर सोसायटी प्रशासक, जिला उपायुक्त सहकारिता, जिला सहकारी बैंक प्रबंधक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

वसूली राशि बकाया

सहकारी संस्था की जिला उप पंजीयक वर्षा श्रीवास ने बताया कि विभाग के द्वारा कोई दबाव नहीं दिया गया पुलिस थाने पर आवेदन दिया है तो जांच का विषय हे वसूली की राशि बकाया थी।

मेट्रो एंकर — दीवार से रिसाव और अवैध खेती का बोलबाला

अफसरों की अनदेखी से बांध का अस्तित्व खतरे में

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

आशापुरी माइनर टैंक बांध इन दिनों भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का जीवंत उदाहरण बना हुआ है। बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के तहत संरक्षित होने के बावजूद, यह बांध अधिकारियों की सांठगांठ और अनदेखी के कारण अपनी पहचान खो रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि बांध की दीवार लंबे समय से लीकेज (रिसाव) का शिकार है, बरसात का पानी भरने के बजाय दीवारों से रिसकर बह जाता है, जिससे जल भंडारण शून्य हो जाता है। हैरानी की बात यह है कि कागजों पर मरम्मत के नाम पर हर साल फंड निकाला जाता है, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी सिर्फ कुर्सी तोड़ने और बजट ठिकाने लगाने का काम कर रहे हैं।

पानी की कमी का फायदा उठाकर बांध के डूब क्षेत्र और संरक्षित हिस्से में धड़ल्ले से अवैध खेती की जा रही है। नियमों के मुताबिक यह दंडनीय अपराध है, लेकिन प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे इस खेल पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

यदि दीवार की मरम्मत नहीं की गई और अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो बांध पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकता है। इससे न केवल जल संकट गहराएगा, बल्कि भविष्य में किसी बड़े हादसे की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस 'सोते हुए' विभाग पर कब और क्या कार्रवाई करता है।

चोरी के सामान की खरीद का आरोप

कोतमा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में कबाड़ियों द्वारा चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त किए जाने के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सक्रिय कुछ कबाड़ी बिना किसी जांच-पड़ताल के संदिग्ध सामान खरीद रहे हैं, जिससे चोरी की घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है। सूत्रों के अनुसार, जब भी चोरी की घटनाएं होती हैं और पुलिस जांच के दौरान सामान बरामद होता है, तो कई मामलों में समझौते (कम्प्रो) की स्थिति बन जाती है। इससे न केवल पीड़ितों को न्याय मिलने में बाधा आती है, बल्कि अपराधियों के हौसले भी बुलंद होते हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि कबाड़ियों के कारोबार की सख्ती से जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना वैध दस्तावेज के कोई भी सामान न खरीदा जाए। साथ ही, चोरी के मामलों में समझौते की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाने की जरूरत बताई जा रही है।

आईपीएल 2026 से पहले हिटमैन का वॉर्निंग मोड ऑन!

रोहित शर्मा ने नेट्स में दिखाया तूफानी अंदाज, जोखिम लेने से भी नहीं हिचके

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन 28 मार्च (शनिवार) से स्टार्ट हो रहा है। आईपीएल 2026 में दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा पर भी फैन्स की निगाहें हैं। रोहित आगामी सीजन के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं। प्री-सीजन कैम्प के दौरान उनका एक नेट सेशन वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह मैच सिमुलेशन के दौरान बेहद आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं।

रोहित शर्मा अपनी शानदार टाइमिंग और क्लासिक शॉट्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार उनके खेल में अलग ही इंटेंट नजर आया। उन्होंने नेट्स में बड़े-बड़े शॉट्स लगाने की कोशिश की और जोखिम लेने से भी नहीं हिचके। एक पल ऐसा भी आया जब उन्होंने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का ऊपरी किनारा लगने के कारण कैच आउट हो गए। हालांकि यह सिर्फ प्रैक्टिस थी, लेकिन इससे उनका आक्रामक माइंडसेट साफ झलकता है।

मुंबई इंडियंस के प्री-सीजन कैंप में रोहित शर्मा ने अपनी बल्लेबाजी के कई पहलुओं पर काम किया, चाहे वह टाइमिंग हो या शॉट का चयन या फिर पावर-हिटिंग। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर होने के बाद आईपीएल अब उनके लिए सबसे बड़ा मंच बन चुका है, जहां वह अपने अनुभव और क्लास का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आरसीबी बनाम एसआरएच

रोहित का आईपीएल में दमदार प्रदर्शन

रोहित शर्मा आईपीएल के सफलतम कप्तानों में शामिल हैं। रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता। रोहित ने अब तक 272 आईपीएल मैचों में 29.73 की औसत से 7046 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 47 अर्धशतक निकले। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा से बड़ी उम्मीदें होंगी। टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी और उनका फॉर्म इस सीजन में टीम की सफलता तय कर सकता है। लगातार मेहनत और फोकस के साथ रोहित एक बार फिर अपने हिटमैन अवतार में नजर आने को तैयार हैं और फैन्स को उनसे धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

सर्वाधिक रन बनाने वाले 3 बल्लेबाज, टॉप पर विराट

आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच 28 मार्च को एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। आरसीबी ने पिछले साल 18 साल का सूखा खत्म करते हुए पहली बार खिताब को अपने नाम किया था।

विराट कोहली : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। कोहली ने एसआरएच के खिलाफ खेली 24 पारियों में 142 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 805 रन बनाए हैं। इस दौरान विराट ने एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं। यानी कोहली को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना काफी रास आता है।

डेविड वॉर्नर : सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच हुए मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में डेविड वॉर्नर दूसरे नंबर पर काबिज हैं। वॉर्नर ने आरसीबी के गेंदबाजी अटैक का 13 मुकाबलों में सामना किया है। इस दौरान वॉर्नर ने 163 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 647 रन बनाए हैं। हालांकि, वॉर्नर इस सीजन टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हैं। पूर्व कंगारू बल्लेबाज ने अपनी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद को साल 2016 में चैंपियन बनाया था।

एबी डिविलियर्स : आरसीबी की जर्सी में खेलते हुए एबी डिविलियर्स का प्रदर्शन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लाजवाब रहा। एबी ने एसआरएच के गेंदबाजी अटैक का कुल 17 मुकाबलों में सामना किया और इस दौरान उन्होंने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 540 रन बनाए। डिविलियर्स ने 5 अर्धशतक लगाए हैं।

मियामी ओपन

जीत के साथ फिल्स-लेहेको ने कटाया सेफा का टिकट

मियामी। फ्रांस के युवा टेनिस खिलाड़ी आर्थर फिल्स ने मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-7(3), 7-6(4), 7-6(6) से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह पक्की की। दो घंटे 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21 साल के फिल्स ने दबाव में भी धैर्य बनाए रखा। आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में वे 2-6 से पीछे होने के बाद लगातार छह प्वाइंट जीतकर मैच अपने नाम करने में सफल रहे। हालांकि, उन्होंने पॉल की सर्विस को बिना तोड़े ही जीत हासिल की। 28वें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी फिल्स ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, बॉल को और ताकत से हिट किया। यह जीत उनके लिए बेहद खास रही, क्योंकि इससे पहले उन्होंने अपने चारों एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में हार का सामना किया था, जिसमें हाल ही में इंडियन वेल्स में बाहर होना भी शामिल था। इस जीत के साथ फिल्स 2007 में पेरिस में रिचर्ड गैस्केट के 21 साल की उम्र में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद सबसे कम उम्र में अंतिम चार का टिकट हासिल करने वाले फ्रेंच खिलाड़ी बन गए। उनका अगला मुकाबला चेक खिलाड़ी जिरी लेहेको से होगा, जिनके साथ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 का है।

पंत की कप्तानी को लेकर उठी अफवाहों को संजीव गोयनका ने किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कप्तान ऋषभ पंत को लेकर चल रही सभी अफवाहों को गलत बताया है। हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि आईपीएल 2026 से पहले पंत को कप्तानी से हटाया जा सकता है, लेकिन गोयनका ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

उन्होंने साफ कहा कि ये सिर्फ फेक रिपोर्ट्स हैं और टीम का पंत पर पूरा भरोसा है। गोयनका ने पंत के स्वभाव और समर्पण की तारीफ करते हुए उन्हें आने वाले सीजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, ÷ऋषभ पंत की कप्तानी के बारे में अटकलों को पढ़ा था और मुस्कुराया था। हमने उनके कैरेक्टर और

कमिटमेंट को जानने के लिए साथ में काफी समय बिताया है। आपका सीजन शानदार हो, कप्तान। दरअसल, आईपीएल 2025 में पंत का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। लखनऊ ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिसके चलते उनसे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, पंत बल्ले से बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए थे। वह 13 मैचों में सिर्फ 269 रन ही बना सके थे और उनके प्रदर्शन पर सवाल खड़े किए गए थे। यही कारण था कि ऐसी भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि लखनऊ टीम आईपीएल 2026 में पंत की जगह पर नया कप्तान चुन सकती है। आईपीएल 2025 के दौरान भी ऐसी ही एक खबर सामने आई थी, जब पंत ने स्थिति को संभाला था। एक एक्स यूजर ने सुझाव दिया कि पंत को आईपीएल 2026 सीजन से पहले ड्रॉप किया जा सकता है क्योंकि लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिकों का मानना है कि उनकी कीमत सही नहीं है। एलएसजी के कप्तान ने इस यूजर को जवाब देते हुए उनसे झूठी बातें फैलाने से पहले थोड़ी समझदारी और भरोसे का इस्तेमाल करने की अपील की थी।

आरसीबी की ब्रांड वैल्यू 450 करोड़ से 16,500 करोड़ पहुंची, माल्या खुश

कहा- मेरी दीवानगी से बनी अरबों की टीम

बंगलूरू, एजेंसी

आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इतिहास रच दिया। दोनों ही टीमों के लिए ऐतिहासिक सौदा देखने को मिला। आरसीबी को 16000+ करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा गया। इस फ्रेंचाइजी को भगोड़े विजय माल्या ने 2008 में 450 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब से अब तक, इसके ब्रांड वैल्यू में लगभग 37 गुना की बढ़ोतरी हो चुकी है। इस डील के बाद पूर्व मालिक विजय माल्या ने अपने आलोचकों पर निशाना साधते हुए बड़ा बयान दिया है।

आरसीबी को एक बड़े कंसोर्टियम ने खरीदा है, जिसकी अगुआई आदित्य बिड़ला ग्रुप कर रहा है। इस डील में द

टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन भी शामिल हैं। यह सौदा अभी बीसीसीआई और सीसीआई की मंजूरी के अधीन है। आरसीबी की इस बड़ी डील के बाद विजय माल्या ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की और आलोचकों को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा, %मैं आरसीबी के नए मालिकों को दिल से बधाई देना चाहता

हूं। उन्हें शुभकामनाएं देता हूं कि वे इस सबसे कीमती आईपीएल फ्रेंचाइजी को आगे ले जाएं। जब मैंने 2008 में 450 करोड़ रुपये में यह टीम खरीदी थी, तब ज्यादातर लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया और इसे मेरी दिखावा बताया था, लेकिन मेरी तथाकथित दीवानगी के पीछे रॉयल चैलेंज ब्रांड को खड़ा करने की सोच थी, इसलिए मैंने टीम का नाम आरसीबी रखा।

आईपीएल की बढ़ती ताकत और बाजार

आरसीबी की यह डील सिर्फ एक टीम की बिक्री नहीं, बल्कि आईपीएल की बढ़ती ताकत का उदाहरण है। आईपीएल की कुल वैल्यूएशन अब लगभग 18.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है। इसके पीछे मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और ग्लोबल फैनबेस का बड़ा योगदान है। आरसीबी के साथ-साथ राजस्थान रॉयल्स की भी बड़ी डील हुई है, जिसे काल सोमानी के नेतृत्व में एक अमेरिकी कंसोर्टियम ने करीब 1.63 बिलियन डॉलर यानी 15000+ करोड़ रुपये में खरीदा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मर क्यों नहीं जाते जरदारी-बिलावल

पाक में लगी पेट्रोल की कीमत में आग, एक्ट्रेस का फूटा गुस्सा

पाक फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस और टीवी होस्ट सादिया इमाम एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। वो अक्सर बेबाकी किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं। इस बार उन्होंने अपने ही मुल्क के प्रॉमिनेंट लीडर की क्लास लगा डाली है। पाकिस्तान में पेट्रोल के बढ़ते दामों को देखते हुए सादिया ने लीडर्स पर जमकर अपना गुस्सा निकाला और यहां तक कह दिया कि तुम लोग मर क्यों नहीं जाते।

सादिया का एक वीडियो सामने आया है, जहां वो पाक नेताओं को उनकी नाकामियां बताती दिख रही हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम 300 रुपये प्रति लीटर तक बताए जा रहे हैं ऐसे में तेल के बढ़ते दामों पर उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

अपना गुस्सा जाहिर करते हुए सादिया कहती हैं- तुम लोग क्यों नहीं मर जाते हो। खत्म क्यों नहीं हो जाते हो। ताकि नए लोग आएं। नई सोच आए। इसके बाद वो बताती हैं कि कैसे बिना वजह पेट्रोल के दामों में आग लगाई हुई है। वो कहती हैं- आज जो तुम पेट्रोल के दामों को 300 रुपये कर रहे हो, क्या तुम्हारे पास पेट्रोल का जखीरा खत्म हो गया था। ऐसा तो हुआ नहीं है, पुराना पेट्रोल तो पड़ा हुआ है। तो उस पेट्रोल पर नई कीमतें कैसे लागू हो सकती हैं। इसके बाद दूसरे देशों का उदाहरण देते हुए बोलीं- इंडिया ने अभी तक रेट नहीं बढ़ाए। बांगलादेश ने पांच टका बढ़ाया। पूरी दुनिया की अगर आप बात करें तो, दुनिया की जो ऑयल इंडस्ट्रीज हैं, उनके पैसे गिर रहे हैं। पर हमारी तो बढ़ गए। ईरान कह रहा है कि हमसे ले लो, हम तुम्हें देते हैं पेट्रोल।

पाक सीएम-लीडर्स का नाम लेकर पूछे सवाल

सादिया ने आगे और भड़कते हुए सभी पॉलिटिकल लीडर्स के नाम लिए और कहा कि- ऐसे में हमारी जेबों का क्या होना। बोलिए ना, जरदारी साहब, कहां छुपकर बैठे हैं हमारे सीएम साहब। कहां हैं बिलावल भुट्टो साहब। किधर हैं, मरियम नवाज साहिबा, ये शहबाज शरीफ साहब। किधर हैं आप सारे, सब के सब मुंह छुपाकर बैठे हैं। या अपने-अपने घरों में आपने कुंए खोद लिए हैं पेट्रोल के। जुमले तुमसे जुड़ते नहीं, आ जाते हो टीवी पर तकरीरे पढ़ने के लिए कि- हमने तो सोच लिया है बच्चे। क्या बच्चे? बच्चे क्या पेट्रोल पीकर जाते हैं। क्या तुम लोग आकर हमारी गाड़ी में पेट्रोल डलवा रहे हो। फाइनल एग्जाम्स हैं बच्चों के सिर पर, बच्चों के स्कूल की छुट्टियां करवा दो। तुम लोग क्यों नहीं मर जाते हो। थक गए हैं हम तुम लोगों से।

मेट्रो बाजार

2 अप्रैल को लॉन्च होगा रियलमी 16 5जी; डुअल 50एमपी कैमरा, 7000एमएएच बैटरी से लैस

नई दिल्ली। स्मार्टफोन फोटोग्राफी लगातार बेहतर होती जा रही है और अब यूजर्स खासकर मिड-रेंज सेगमेंट में भी प्रीमियम डिजाइन, बेहतर कैमरा और आसान उपयोग की उम्मीद कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए रियलमी 16 5जी भारत में 2 अप्रैल को लॉन्च होने जा रहा है। यह फोन रियलमी की नंबर सीरीज की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नए फीचर्स के साथ आएगा और ज्यादा लोगों तक एडवांस टेक्नोलॉजी पहुंचाने का लक्ष्य रखता है। इस स्मार्टफोन में खास तौर पर पोर्ट्रेट फोटोग्राफी पर जोर दिया गया है, जिससे यह अपने सेगमेंट में एक बेहतरीन कैमरा फोन बनने का दावा करता है। इसमें हार्डवेयर और एआई तकनीक का अच्छा संयोजन दिया गया है। फोन में डुअल 50एमपी कैमरा सेटअप मिलेगा, जिसमें 50एमपी का फ्रंट कैमरा और सोनी आईएमएक्स 852 सेंसर वाला 50एमपी रियर कैमरा शामिल है। यह सेटअप सेल्फी, ग्रुप फोटो और रोजमर्रा की फोटोग्राफी में बेहतर क्वालिटी देने का वादा करता है।

इसकी सबसे खास बात है सेगमेंट-फर्स्ट रियर सेल्फी मिरर, जिसकी मदद से यूजर्स रियर कैमरे से भी शानदार और साफ सेल्फी ले सकते हैं। इसके साथ ही इसमें %से हाय% जेस्चर फीचर और रिंग फ्लैश दिया गया है, जिससे बिना हाथ लगाए फोटो लेना आसान हो जाता है और हर तरह की रोशनी में बेहतर फोटो मिलती है फोटोग्राफी को और बेहतर बनाने के लिए इसमें लूमाकलर इमेज टेक्नोलॉजी दी गई है, जो स्किन टोन को नेचुरल दिखाती है और फोटो में लाइट और शैडो को बैलेंस करती है।

मोहित सूरी ने अपनी फिल्मों में महिला किरदारों की मजबूती का बताया राज

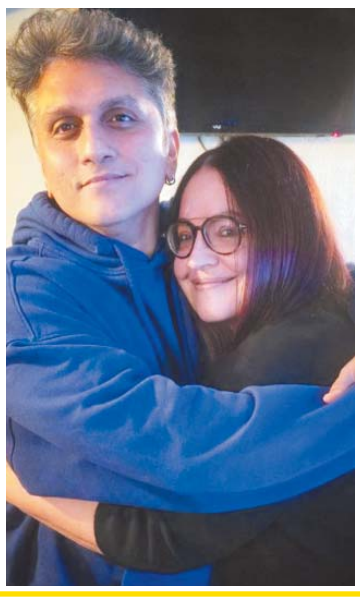

मोहित सूरी की फिल्मों में महिला किरदार अक्सर मजबूत, संवेदनशील और कहानी की हीलर या सेवियर के रूप में नजर आती हैं। वे अपनी कमियों के बावजूद पुरुष किरदारों को पूरा बनाती हैं और उन्हें सही रास्ता दिखाती हैं। मोहित ने बताया कि उनकी फिल्मों की ये मजबूत महिलाएं असल जिंदगी की महिलाओं से प्रेरित हैं। दरअसल, हाल ही में मोहित सूरी पूजा भट्ट के पॉडकास्ट में गए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी पत्नी उदिता गोस्वामी को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा बताया कि वे छोटी उम्र से परिवार संभाल रही हैं। पूजा ने पॉडकास्ट का ऑडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसमें पूजा ने पॉडकास्ट में मोहित से पूछा, ÷आपके हीरो अक्सर परेशान और भावुक होते हैं लेकिन आपकी फिल्मों की महिलाएं सुपरहीरो जैसी क्यों होती हैं? इसका स्रोत कहां से आता है? मोहित ने जवाब देते हुए कहा, पूजा, मेरी जिंदगी की महिलाओं को देखो। शायद मां के न होने की वजह से मैं महिलाओं को अलग नजरिए से देखता हूं। मैंने हमेशा मजबूत महिलाएं देखी हैं, चाहे वो तुम हो पूजा या हमारी दादी-नानी, आंटी श्रीमती सैगल, बड़ी आंटी...ये सब बहुत ताकतवर रही हैं। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी उदिता ने 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था और पूरे परिवार का सहारा बनी हुई है। वो भी बेहद मजबूत हैं। मुझे लगता है कि मेरी फिल्मों की महिलाएं इसलिए इतनी खास हैं क्योंकि मैं उन्हें इसी तरह देखता हूं मजबूत।

बीते साल भारत का हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर 9 प्रतिशत बढ़ा, प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारत का स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र (हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर) लगातार मजबूत हो रहा है। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में इस सेक्टर का कुल प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। सरकार के मुताबिक, देश में हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर करीब 9 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है। इस ग्रोथ के पीछे लोगों में बढ़ती जागरूकता, हेल्थ फाइनेंसिंग की बेहतर पहुंच और मेडिकल खर्चों से बचाव की बढ़ती जरूरत प्रमुख कारण हैं।

बीमा क्षेत्र को और बेहतर बनाने के लिए भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम के लिए सख्त समय सीमा तय की है। नए नियमों के अनुसार, बीमा कंपनियों को कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन रिक्वेस्ट को एक घंटे के भीतर मंजूरी देनी होगी, जबकि अंतिम मंजूरी तीन घंटे के अंदर पूरी करनी होगी। सरकार का कहना है कि इन कदमों से क्लेम में देरी कम होगी और मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा। हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं, जैसे पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, ज्यादा कवर राशि और बेहतर पॉलिसी फीचर्स। रेगुलेटर के 2024 के दिशा-निर्देश यह भी सुनिश्चित करते हैं कि बीमा उत्पादों की कीमत जोखिम के आधार पर तय हो और समय-समय पर डेटा और ग्राहकों की प्रतिक्रिया के आधार पर उनकी समीक्षा की जाए। क्लेम सेटलमेंट के मामले में भी सेक्टर में सुधार देखने को मिला है। 2024-25 में क्लेम भुगतान अनुपात 87.5 प्रतिशत रहा, जो 2023-24 में 82.46 प्रतिशत और 2022-23 में 85.66 प्रतिशत था।

रानगिर की हरसिद्धि माता: आस्था, इतिहास और चमत्कार का संगम

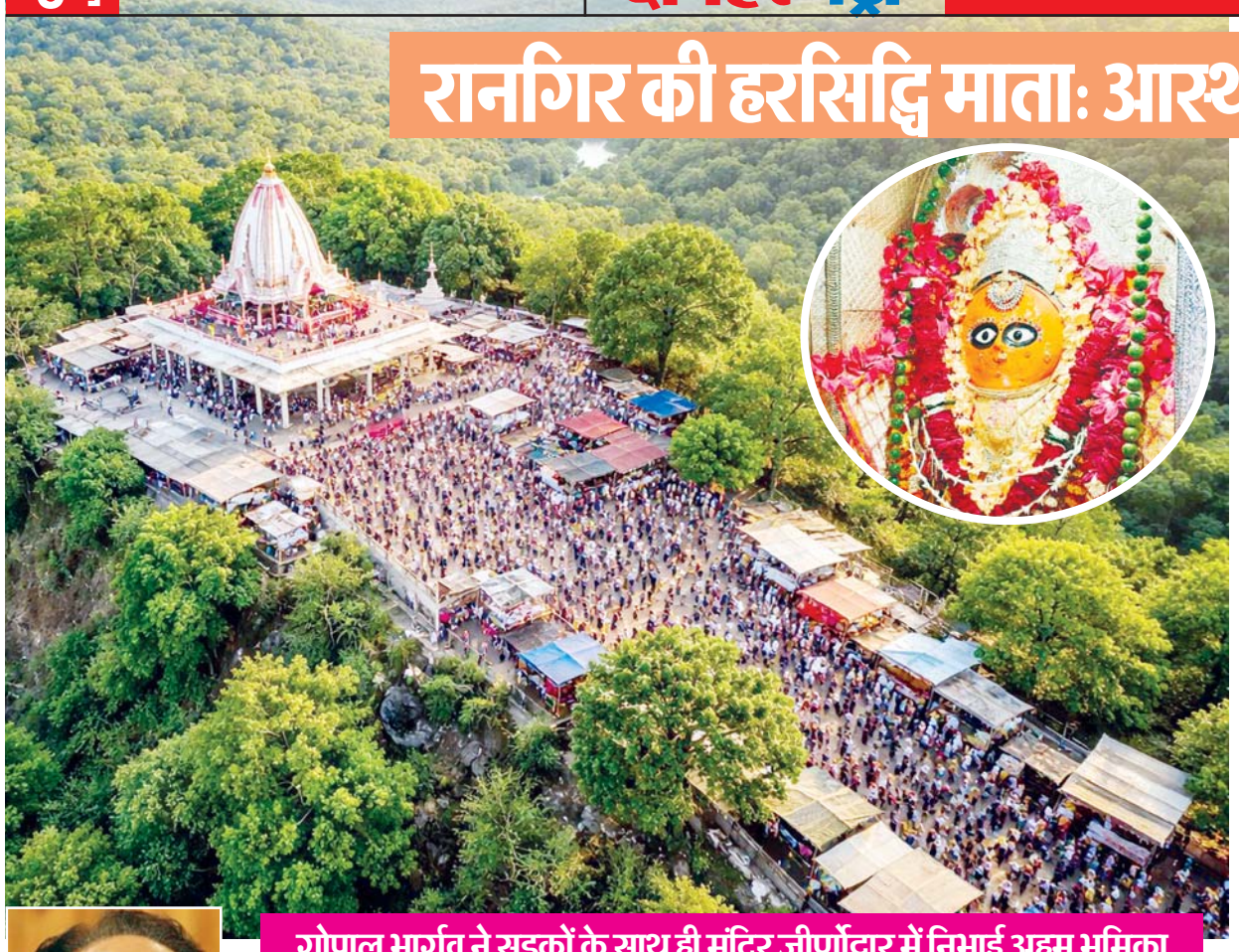

रानगिर सागर से रोहन सिरोठिया

मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित रानगिर हरसिद्धि माता मंदिर आस्था, इतिहास और लोककथाओं का अनोखा संगम अपने दामन में समेटे हुए है । यह प्राचीन तीर्थ स्थल सागर से सैंतीस किलोमीटर दूर नरसिंहपुर और रहली रोड के आठ किमी हटकर घने जंगल और कुदरती सौंदर्य के बीच पहाड़ी पर देहार नदी के तट पर स्थित है। आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर इस खूबसूरत नजारे के बीच हर साल शारदीय और चैत्र नवरात्र पर यहां चार दिन तक मेला भी लगता है। सागर, भोपाल के साथ ही बुंदेलखंड के कई इलाकों से श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर माँ हरसिद्धि देवी के दर्शन को आते हैं।

ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व

रानगिर गांव में करीब ग्यारह सौ साल पुराने इस मंदिर को लेकर कई किवदंतियां भी प्रचलित हैं। रहली से लगभग 10 मील और सागर-रहली मार्ग पर सागर से करीब 21 मील की दूरी पर स्थित है। यह स्थान ऐतिहासिक रूप से इसलिए महत्व रखता है। यहाँ बुंदेला शासक और धामोनी के मुगल फौजदार खलीक के बीच लड़ाई का उल्लेख भी मिलता है।

52 शक्तिपीठों में से एक

लोक मान्यता के अनुसार रानगिर को देवी भगवती के 52 सिद्ध शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। मंदिर के मुख्य पुजारी संतोष पांडा बताते है की जब भगवान शिव माता सती के क्षत विक्षत शव को लेकर गुजरे थे तो माता सती की 'रान' (जंघा) यहाँ गिरी थी। इसके कारण ही इस जगह का नाम 'रानगिर' पड़ा। माता साथी के शरीर के अंग जहाँ -जहाँ गिरे वहाँ माँ दुर्गा की शक्तिपीठ स्थापित हुई । यह स्थान उन्हीं शक्ति पीठ में से एक है। मंदिर लगभग 1100 वर्ष पुराना बताया जाता है। मंदिर के युवा पुजारी पंडित प्रदीप दुबे बताते हैं कि रानगिर की हरसिद्धि माता की सबसे अनोखी विशेषता है कि वे दिन में तीन रूपों में दर्शन देती हैं :-
प्रात: काल - कन्या रूप, **दोपहर** - युवा रूप, **सायंकाल** - प्रौढ़ रूप। यह तीनों रूप सूर्य, चंद्र और अग्नि की शक्तियों का प्रतीक माने जाते हैं— प्रकाश, तेज और अमृत का संगम।

किवदंती: वन कन्या से देवी माता तक

एक प्रचलित कथा के अनुसार, एक चरवाहे की बेटी के साथ रोज एक रहस्यमयी वन कन्या खेलती थी। वह कन्या हर दिन चांदी का सिक्का देकर लौट जाती थी। जब चरवाहे ने छिपकर उसे देखा, तो वह कन्या तुरंत पाषाण (पत्थर) रूप में बदल गई। इसके बाद उसी स्थान पर चबूतरा बनाकर माता की स्थापना की गई—और यहीं से हरसिद्धि माता के मंदिर की शुरुआत मानी जाती है। मंदिर में वर्ष में दो प्रमुख अवसरों पर भव्य मेले लगते हैं।

ऐसे पहुंचें माता के दरबार...

रानगिर पहुंचने के लिए दो प्रमुख मार्ग हैं। पहला सागर-नरसिंहपुर हाईवे पर 8 किमी अंदर और सागर-रहली मार्ग पर 'पांच मील' से लगभग 10 किमी अंदर से पहुंचना होता है। मेले के दौरान सागर, रहली, गौरझामर और देवरी से विशेष बस सेवाएं भी चलती हैं। लोग सैकड़ों किमी का सफ़र करके बाहर से भी आते हैं । कई श्रद्धालु समूह के रूप में धर्म के साथ पदयात्री के बतौर यहाँ पहुंचते हैं।

आस्था का केंद्र क्यों है रानगिर?

- **मनोकामना** पूर्ति की गहरी मान्यता
- **प्रकृति** और आध्यात्म का अनोखा संगम
- **ऐतिहासिक**, पौराणिक और लोककथाओं का मेल रानगिर की हरसिद्धि
- माता केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि विश्वास, परंपरा और चमत्कार का जीवंत प्रतीक है।

गोपाल भार्गव ने सड़कों के साथ ही मंदिर जीर्णोद्धार में निभाई अहम भूमिका

इस धार्मिक क्षेत्र के विकास की कहानी पूर्व मंत्री और पिछले नौ बार से विधायक गोपाल भार्गव के योगदान के जिक्र बगैर अधूरी है। वन क्षेत्र होने के चलते पहले यहां लोगों को कच्चे और धूल भरे रास्ते से गुजरना पड़ता था। पर अब रहली और नरसिंहपुर रोड यानी दोनों प्रमुख मार्गों के बीच स्थित इस मंदिर तक पहुँचने के लिये दोनों तरफ़ से पक्की डामर रोड है। यानी घंटों का सफ़र मिनटों में। गोपाल भार्गव ने सड़कों के साथ ही मंदिर और उसके परिसर के जीर्णोद्धार में अहम भूमिका निभाई है। यहाँ आने वाले लोग रानगिर पहुंचकर अपने स्थानीय विधायक की तारीफ़ से खुद को नहीं रोक पाते। मंदिर के पास एक तालाब भी है। हजारों लोग यहीं आकर गोबर के कंडों पर बाटी जिसे यहाँ गाँकड़ कहा जाता है, सेकते हैं। साथ ही भूना जाता है हरा बैगन जिसे भटा भी कहते हैं। दाल भर्ता और बाटियों के साथ लोग यहाँ माँ हरसिद्धि के दर्शन के साथ इस देसी व्यंजन का स्वाद भी चखते हैं । यहाँ मेले के दौरान भोजनालयों में भी यह आसानी से मिल जाता है । जंगलों के बीच स्थित तालाब और मंदिर पास अक्सर बाघ भी देखा जाता है , जिसे देवी की सवारी भी माना जाता है।

न्यूज विंडो

रुपये में ऐतिहासिक गिरावट, 94.24 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आया

नई दिल्ली। भारतीय रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे गिरकर 94.24 के नए निचले स्तर पर आ गया। यह लगातार तीसरे सत्र में रुपये में गिरावट दर्ज की गई है, जो बुधवार और मंगलवार को भी तेजी से टूटा था। रुपये में यह गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और ईरान संकट के कारण हुई है, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। बुधवार को पिछले सत्र में रुपया 29 पैसे फिसलकर 94 के स्तर को पार कर 94.05 पर बंद हुआ था।रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है। मंगलवार को रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 93.76 पर बंद हुआ था। बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.94 पर खुला और 93.86 से 94.08 के बीच कारोबार करने के बाद अपने अब तक के सबसे निचले बंद स्तर पर पहुंचा। मध्य पूर्व में जारी तनाव भी रुपये पर दबाव डाल रहा है। रुपये की इस लगातार गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की लगातार निकासी एक बड़ा कारक है।

सेमीकंडक्टर सप्लाई : 250 मिलियन डॉलर का पैक्स सिलिका फंड लॉन्च

वाशिंगटन। वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से अमेरिकी विदेश विभाग ने 250 मिलियन डॉलर के पैक्स सिलिका फंड की घोषणा की है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह पहल कांग्रेस के साथ मिलकर विदेशी सहायता फंडिंग के जरिए लागू की जाएगी।

यह फंड खास तौर पर उन अहम क्षेत्रों पर फोकस करेगा, जो सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की रीढ़ माने जाते हैं जैसे क्रिटिकल मिनरल्स का खनन और प्रोसेसिंग, जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं का विस्तार। इसका उद्देश्य वैश्विक सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और व्यवधानों के प्रति लचीला बनाना है। पैक्स सिलिका फंड अमेरिका की व्यापार सहायात, नहीं रणनीति का भी हिस्सा है, जिसे मार्को रुबियो ने आगे बढ़ाया है। इस रणनीति के तहत विदेशी सहायता को एक साधन बनाकर निजी और साझेदार देशों के निवेश को आकर्षित किया जाएगा, ताकि उभरती तकनीकों में संयुक्त निवेश बढ़े और सप्लाई चेन सुरक्षित रहे।

जापान के होन्शू द्वीप में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप, भागे लोग

टोक्यो। जापान के सबसे बड़े और सबसे अधिक आबादी वाले होन्शू द्वीप के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) के अनुसार, जापान के सबसे बड़े और सबसे अधिक आबादी वाले द्वीप होंशू के पूर्वी तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था। जापान न्यूज़ के अनुसार, भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और अधिकारी आगे की कार्रवाई या जन सुरक्षा उपायों की आवश्यकता का आकलन कर रहे हैं। भूकंप का केंद्र जमीन के करीब 10 किलोमीटर नीचे था, जिससे कई इलाकों में तेज कंपन महसूस हुआ और लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। भूकंप के बाद सबसे बड़ा सवाल सुनामी को लेकर था, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि भूकंप के इस झटके के बाद किसी तरह की सुनामी चेतावनी जारी नहीं की गई है। इससे लोगों को राहत मिली है।

S-400 और अनमैन्ड कॉम्बैट जेट्स पर रहेगी खास नजर

कई बड़े रक्षा सौदों को मंजूरी देने की तैयारी कर रहा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की रक्षा क्षमता को और मजबूत करने के लिए आज एक अहम बैठक होने जा रही है। रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी कि DAC शुक्रवार को कई बड़े रक्षा सौदों को मंजूरी देने की तैयारी में है। इसमें S-400 एयर डिफेंस सिस्टम, ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल, अनमैन्ड कॉम्बैट जेट्स और मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, बैठक में भारतीय वायुसेना के लिए 60 मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट खरीदने का प्रस्ताव पास किया जा सकता है। इसके अलावा, S-400 एयर डिफेंस सिस्टम की 5 और यूनिट्स खरीदने की योजना को भी मंजूरी मिलने की संभावना है।

S-400 की डिलीवरी का देश को इंतजार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में होने जा रही इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव भी शामिल होंगे। S-400 सुदर्शन एयर डिफेंस सिस्टम के मामले में, भारत पहले से ही 5 सिस्टम्स की डिलीवरी का इंतजार कर रहा है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना की टीम रूस में चौथी स्क्वाड्रन लेने गई हुई है। चौथा सिस्टम अप्रैल-मई में आने की उम्मीद है, जबकि पांचवां सिस्टम नवंबर-दिसंबर तक पहुंच सकता है। अब 5 अतिरिक्त यूनिट्स खरीदने का प्रस्ताव भी DAC के सामने है।

प्रोजेक्ट कुशा की पांच स्क्वाड्रन्स खरीदने की मंजूरी

इसके अलावा, एयरफोर्स को स्वदेशी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली प्रोजेक्ट कुशा की 5 स्क्वाड्रन्स खरीदने की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। यह परियोजना DRDO के नेतृत्व में चल रही है। मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम के तहत एयरफोर्स 60 विमान खरीदना चाहती है। इस टेंडर में ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर, अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन और रूसी कंपनी इल्यूशिन मुख्य दावेदार बताए जा रहे हैं। बैठक में भारतीय थलसेना के 300 स्वदेशी धनुष होवित्जर तोपखाने खरीदने के प्रस्ताव पर भी चर्चा और मंजूरी होने की संभावना है।

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों की खरीद का प्रस्ताव

बैठक में भारतीय वायुसेना के लिए स्वदेशी रिमोटली पाइलटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट (अनमैन्ड कॉम्बैट जेट्स) की लगभग 4 स्क्वाड्रन्स खरीदने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। ये ड्रोन लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। सूत्रों ने बताया कि भारतीय थलसेना ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की बड़ी संख्या में खरीद का प्रस्ताव लेकर आई है। ये मिसाइल 800 किलोमीटर तक मार कर सकती है। इस प्रस्ताव पर भी आज मंजूरी मिल सकती है। बता दें कि DAC रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च संस्था है, जो सशस्त्र बलों के लिए नए हथियार और उपकरण खरीदने के फैसले करती है।

रिजिजू बोले-राहुल का दिमाग सलाहकारों ने किया 'हाईजैक'

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। एक निजी शिखर सम्मेलन के दौरान रिजिजू ने राहुल गांधी के संसद में टी-शर्ट पहनकर आने और उनकी राजनीतिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के दिमाग पर उनके 'एक्टिविस्ट' सलाहकारों ने कब्जा कर लिया है और वह संसद में वही बोलते हैं जो उनके सलाहकार उन्हें बोलने को कहते हैं।

रिजिजू ने कहा, 'निजी तौर पर, मुझे राहुल गांधी से कोई दिक्कत नहीं है। हम मिलते हैं, (बैठक) कक्ष में और उसके बाहर एक-दूसरे से बात करते हैं, क्योंकि वह प्रतिपक्ष के नेता हैं। यह ठीक है। कोई दिक्कत नहीं। लेकिन जब आप औपचारिक रूप से सदन के पटल पर बोल रहे होते हैं, तो आपको परंपराओं, नियमों और शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। ये संसदीय लोकतंत्र के बहुत जरूरी हिस्से हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन राहुल गांधी का दिमाग उनके 'एक्टिविस्ट' सलाहकारों ने 'हाईजैक' कर लिया है। वह वही बोलते हैं जो उनके सलाहकार बोलने को कहते हैं। 'रिजिजू ने कहा कि जब बीजेपी विपक्ष में थी, तो उसने कुछ मानकों का पालन किया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किए, लेकिन उसने कभी अपनी सीमाएं पार नहीं कीं।

मेक्सिको की खाड़ी में तेल का रिसाव 600 किलोमीटर तक फैला प्रदूषण

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की खाड़ी में मार्च की शुरुआत में तेल का भारी रिसाव हुआ। अब इसका प्रदूषण 600 किलोमीटर से ज्यादा बड़े इलाके में फैल गया है। मेक्सिकन अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव एक ऐसे जहाज से शुरू हुआ जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसमें दो प्राकृतिक स्रोत भी शामिल हैं। इस घटना ने सात प्राकृतिक रिजर्व क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है।

नौसेना सचिव एडमिरल रायमुंडो मोरालेस ने मीडिया वार्ता में बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों और जांच से रिसाव के तीन मुख्य ठिकानों का पता चला है। पहला स्रोत वेराक्रूज राज्य के कोत्जाकोआल्कोस बंदरगाह के पास खड़ा एक जहाज है। इस जहाज की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि उस समय वहां 13 जहाज मौजूद थे। दूसरा स्रोत इसी बंदरगाह से 8 किलोमीटर दूर एक ऐसी जगह है जहाँ से कच्चा तेल प्राकृतिक रूप से निकलता है। तीसरा स्रोत कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित एक और प्राकृतिक रिसाव वाली जगह है। मोरालेस ने स्वीकार किया कि तेल का रिसाव अब भी जारी है।

मोदी के खिलाफ लगे नारे, विस में हाथापाई

जम्मू, एजेंसी। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत बेहद हंगामेदार रही। सदन के भीतर राजनीतिक तनातनी इस कदर बढ़ गई कि विभिन्न दलों के विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कांग्रेस व भाजपा विधायकों के बीच नौबत हाथापाई तक पहुंच गई।

सत्र की शुरुआत में ही सदन का माहौल तब गरमा गया जब कुछ विपक्षी सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आक्रामक नारेबाजी शुरू कर दी। वीडियो में स्पष्ट रूप से 'नरेंद्र मोदी हाय-हाय' और 'मुर्दाबाद' के नारे सुने जा सकते हैं। कांग्रेस विधायकों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ नारे लगाए जाने के बाद, कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज लोन और भाजपा विधायक युधवीर सेठी के बीच झड़प हो गई।

मार्शलों को करना पड़ा बीच-बचाव

नारेबाजी के बीच कांग्रेस और भाजपा के विधायक एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि कई विधायक अपनी सीटों से उठकर पीछे तक पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई जैसी स्थिति पैदा हो गई। इस दौरान कुछ सदस्यों द्वारा कागजात भी फाड़कर उछाले गए। स्थिति को नियंत्रण से बाहर जाता देख विधानसभा के मार्शलों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा।

मेट्रो एंकर

मार्च में तीसरी बार आंधी-बारिश का अलर्ट, अगले 3 दिन ऐसा ही मौसम

ग्वालियर समेत प्रदेश के 7 जिलों में आज हो सकती है बारिश

भोपाल/ग्वालियर, एजेंसी

वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से मध्य प्रदेश में शुक्रवार से मौसम का मिजाज बदलेगा। मौसम केंद्र ने अगले 24 घंटे के अंदर ग्वालियर समेत 7 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मार्च में तीसरी बार पानी गिरने का अनुमान है। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में दिन का पारा 41.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। नर्मदापुरम सीजन का सबसे गर्म दिन रहा।

अगले 3 दिन यानी, 30 मार्च तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय है। वहीं, पश्चिमी हिस्से में दो चक्रवात एक्टिव है। इनकी वजह से प्रदेश में मौसम बदल रहा है। शुक्रवार को ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बारिश होने के आसार है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

नर्मदापुरम में 41.6 डिग्री तापमान, प्रदेश में सबसे गर्म: प्रदेश में नए सिस्टम की वजह से शुक्रवार से कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर शुरू होगा। इससे पहले पूरे प्रदेश में गर्मी का असर देखा गया। इस सीजन मार्च में पहली बार पारा 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सबसे गर्म नर्मदापुरम रहा। यहां अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री दर्ज किया गया।रतलाम में 39.6 डिग्री, गुना में 38.6 डिग्री, धार, रायसेन-मंडला में 38.4 डिग्री, खरगोन में 38.2 डिग्री, शाजापुर-खंडवा में 38.1 डिग्री, टीकमगढ़-खजुराहो में पारा 38 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, छिंदवाड़ा, दमोह, बैतूल, श्योपुर, सागर और सतना में तापमान 37 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया।प्रदेश के 5 बड़े शहरों में उज्जैन में सबसे ज्यादा 37.7 डिग्री रहा। भोपाल में 37.4 डिग्री, इंदौर में 37.2 डिग्री, ग्वालियर में 38.6 डिग्री और जबलपुर में पारा 37.5 डिग्री दर्ज किया गया।

भोपाल में दिन में तेज गर्मी के साथ बारिश का भी अलर्ट

भोपाल में मार्च महीने में दिन में तेज गर्मी पड़ने के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है।वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। बाकी सालों में पारा 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है।मौसम विभाग के अनुसार, 30 मार्च तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर संभाग के करीब 28 जिलों में पानी गिर सकता है। 28 मार्च को कुछ जिलों में बूंदाबांदी होने का अनुमान है। 30 मार्च को सिस्टम का सबसे ज्यादा असर रहेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564